www.tamsasanket.com
वर्ष: 29||अंक 67||अम्बेडकरनगर
गुरुवार
28 मई 2026||पृष्ठ: 08||मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

# दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:14
सूर्यास्त: 06:53
अधिकतम: 39°00
न्यूनतम: 24°00

पेज 07
विशेष समाचार क्या आम आदमी विकास से ... >>पेज 04
कासगंज में दबंग ने ... >>पेज 06
अनन्या पांडे के भरतनाट्यम ...

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में अलग-अलग याचिकाओं पर 10 महीने तक लगातार सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि दलीलें सुनने के बाद 5 सवाल सामने आए, जिन पर आदेश दिया जा रहा है।

### कांग्रेस ने फैसले पर सवाल उठाए- निष्कासन पहले, निर्णय बाद में

कांग्रेस ने SIR पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग लोगों को वोटर लिस्ट से पहले हटाता है और निर्णय बाद में आता है। इस बीच चुनाव हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में भी चुनाव आयोग को जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

"सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए।

"बीजेपी ने कहा कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन जिस एसआईआर को लेकर देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे थे, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट फैसला दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि फ्री और फेयर इलेक्शन में एसआईआर से मदद मिली है। इससे कांग्रेस की पोल खुल गई है। यह कांग्रेस की पूर्ण पराजय है।

चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है, एसआईआर में 13 राज्य-यूटी में 7.41 करोड़ नाम कटे

# एसआईआर अवैध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

**निर्देश**

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि SIR मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा। जून 2025 में बिहार से शुरू हुई SIR प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे।

### विपक्ष का आरोप- लोगों से वोटिंग का अधिकार छीना जा रहा

विपक्षी का आरोप है कि इस प्रक्रिया से लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है। विपक्ष का कहना है कि 2003 से आज तक करीब 22 साल में बिहार में कम से कम 5 चुनाव हो चुके हैं, तो क्या वे सारे चुनाव गलत थे। अगर चुनाव आयोग को SIR करना था तो इसकी घोषणा जून के अंत में क्यों की गई। इसका निर्णय कैसे और क्यों लिया गया। अगर मान भी लिया जाए कि SIR की जरूरत है तो इसे बिहार चुनाव के बाद आराम से किया जा सकता था। इतनी हड़बड़ी में इसे करने का फैसला क्यों लिया गया।

जानिए एसआईआर क्या होता है?
स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर में वोटर लिस्ट का वैरिफिकेशन किया जाता है। ताकि वोटर लिस्ट को ज्यादा सटीक और विश्वसनीय बनाया जा सके।

■ बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी रक्फ़्रकराया गया, जबकि असम में स्पेशल रिवीजन हुआ। बिहार एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं से ही मामला सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। कुल कितनी याचिकाएं थीं इसकी जानकारी नहीं है।

### अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर

देश के 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR हो चुका है। इनमें अब तक कुल 7.41 वोटर्स के नाम कट चुके हैं। दिल्ली में 30 जून से SIR प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। SIR के पहले फेज में बिहार शामिल था। दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश शामिल था। इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार थे। SIR के तीसरे फेज 16 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश कवर होंगे। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी।

### नीट मामले में सीबीआई ने दो और अरेस्ट किए

नई दिल्ली । NEET पेपर लीक मामले में CBI ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉक्टर मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे। वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी में फिजिक्स पढ़ाता है। उसे NEET परीक्षा के लीक हुए फिजिक्स के क्वेश्चन गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे। इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। CBI ने अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए।

## विजयन समर्थकों का ईडी टीम पर हमला लाठी पत्थर बरसाए

### पूर्व केरलम सीएम की बेटी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

**बवाल**

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारई विजयन के समर्थकों ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम पर हमला किया। ED की 12 सदस्यीय टीम बुधवार सुबह 7 बजे तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन स्थित विजयन के घर समेत 10 ठिकानों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेड करने पहुंची थी।

यह विजयन का किराए वाला घर है। रेड के दौरान विजयन और उनका परिवार घर में मौजूद था। जैसे ही यह खबर फैली तो विजयन के समर्थक उनके घर के बाहर जुटने लगे। दोपहर करीब 2 बजे

■ विजयन बोले- ईडी की रेड से राहुल को संतुष्टि हुई होगी

टीम बाहर निकली तो सीपीआई कार्यकर्ताओं ने घेर लिया। भीड़ ने अधिकारियों की गाड़ियों पर पत्थर और बोतलें फेंकी। कारों के शीशे तोड़ दिए गए और लाठी से भी हमला किया।

ED की रेड पर पिनाराई विजयन का बयान सामने आया। उन्होंने कहा- काफी समय से ED मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी।

# यूपी एटीएस-एसटीएफ ने 4 संदिग्ध आतंकी दबोचे

### पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े थे

**शिकंजा**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी एटीएस और एसटीएफ ने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े 4 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और वीडियो कॉलिंग ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे। देश के संवेदनशील ठिकानों की जानकारी शेयर कर रहे थे। आरोपियों के

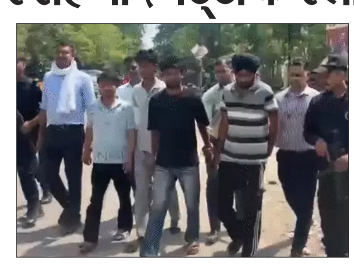

■ नोएडा में हुई थी मुलाकात, असलहे जुटाने की थी तैयारी
■ आईएसआई के इशारे पर सक्रिय नेटवर्क

खिलाफ लखनऊ स्थित ATS थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

**सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और हरिद्वार से गिरफ्तारी**

ATS और STF ने सहारनपुर निवासी महकाब और शाहरुख, मुजफ्फरनगर निवासी गगनदीप सिंह उर्फ गुरी सिंह और हरिद्वार निवासी मुशर्रफ को गिरफ्तार किया है। एजेंसियों के मुताबिक, चारों आरोपी पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल नेटवर्क से जुड़े हुए थे।

**फास्ट न्यूज**

### राहुल ने सीबीएसई एग्जाम की जांच कंपनी पर सवाल उठाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सेंट्रल बॉर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन के एग्जाम के रिजल्ट में बड़ी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि CBSE ने जिस COEMPT कंपनी को एग्जाम के डिजिटल इवेल्यूशन का ठेका दिया है, उसके पहले नाम ग्लोबारिना था।

मुलाकात मांग

### इस्तीफे के सवाल पर सीएम सिद्धारमैया बोले- कल बात करेंगे

नई दिल्ली/बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के लिए समय मांगा है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सीएम बन सकते हैं।

इस बीच, कांग्रेस विधायक आरवी देशपांडे ने कहा , 'मुख्यमंत्री पहले ही इस्तीफा देने का फैसला कर चुके हैं। वह कल इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने मुझे बताया कि मैं हाईकमान को वचन दे चुका हूं। अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला हाईकमान करेगा।'

## ट्विशा शर्मा के शरीर पर मिले हाथापाई व चोट के निशान

### सास व पति करते थे क्रूरता, सरकार का बड़ा दावा

**जांच**

तमसा संकेत, एजेंसी

जबलपुर, मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश सरकार का कहना है कि पोस्टमार्टम के दौरान एक्टर व मॉडल ट्विशा शर्मा के शरीर पर मिले जख्म के निशान उनकी मौत से पहले के थे और पहले हुई किसी हाथापाई या संघर्ष के दौरान लगे हो सकते हैं। साथ ही सरकार ने मृतका की सास गिरिबाला सिंह व पति समर्थ सिंह पर भी यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने ट्विशा के साथ क्रूरता की थी। राज्य सरकार ने यह आरोप बुधवार को ट्विशा शर्मा की मौत मामले में उनकी सास गिरिबाला

■ 'मौत से पहले के हैं ट्विशा के शरीर पर मिले निशान'
■ 'किसी हाथापाई या संघर्ष के दौरान ही लगी थीं चोटें'

सिंह को मिली अग्रिम जमानत रद्द करने से जुड़ी याचिकाओं पर बुधवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान लगाए। इसके साथ ही राज्य सरकार ने गिरिबाला सिंह पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप भी लगाया।

एक महीने के भीतर होर्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू होगी, अमेरिका ने फर्जी बताया

# अमेरिका से समझौते का ड्राफ्ट तैयार : ईरान

**दावा**

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरुआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी।

**अमेरिका ने पीस डील रिपोर्ट को फर्जी बताया**

अमेरिका ने ईरानी मीडिया की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म करने के लिए समझौते का ड्राफ्ट तैयार होने का दावा किया गया था। व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा कि ईरानी मीडिया में चल रही रिपोर्ट पूरी तरह झूठ और मनगढ़ंत है।

इससे पहले ईरानी मीडिया ने दावा किया था कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया था कि प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग दोबारा सामान्य होगी और अमेरिका नौसैनिक घेराबंदी हटाएगा।

अमेरिकी ड्रोन गिराया- ईरान ने दावा किया कि उसकी फोर्स ने अमेरिकी एमक्यू-9बी और आरक्यू-4 ड्रोन को निशाना बनाया। साथ ही ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे एफ-35 लड़ाकू विमान पर भी फायरिंग की गई।

**साउथ कोरिया बोला- होर्मुज में कंटेनर शिप पर ईरानी मिसाइल से हमला हुआ**

साउथ कोरिया ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट में कंटेनर शिप HMM नमु पर हुआ हमला संभवतः ईरानी एंटी-शिप मिसाइल से किया गया था।

जांच के बाद सियोल ने ईरान के राजदूत को तलब करने का फैसला किया है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के मुताबिक 4 मई को HMM नमु पर दो अज्ञात विमानों से हमला हुआ था।

**जांच :** वरद होटल हत्याकांड का खुलासा, यूपी-112 की कॉल से खुली हत्या की परतें

# शक और विवाद के चलते प्रेमिका की हत्या

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। बसखारी क्षेत्र के वरद होटल में हुए चर्चित प्रेमिका हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पहली नजर में मामला प्रेमी-प्रेमिका द्वारा विषाक्त पदार्थ खाने का लग रहा था, लेकिन होटल के कमरे का दृश्य, युवती के शरीर पर मिले निशान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पूरी कहानी बदल दी। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक ने शक और विवाद के चलते प्रेमिका की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती सूचना विषाक्त पदार्थ खाने की थी, लेकिन होटल के कमरे की स्थिति देखकर मामला संदिग्ध

लगा। युवती के गले पर निशान मिले थे। कमरे में संघर्ष के संकेत भी दिखाई दिए थे। इसके बाद पुलिस ने हत्या की आशंका को ध्यान में रखकर जांच शुरू की।

होटल कर्मचारियों से पूछताछ में पता चला कि कमरे के भीतर काफी देर तक दोनों के बीच बहस और तेज आवाजें सुनाई दे रही थीं। कुछ देर बाद युवक ने खुद पुलिस को फोन किया था। पुलिस को सबसे बड़ा सुराग पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मिला। रिपोर्ट में साफ हुआ कि युवती की मौत विषाक्त पदार्थ से नहीं, बल्कि गला दबाने से हुई थी।

मामले में आरोपी कुलदीप गौड़ को इलाज पूरा होने के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने खुलासे में होटल स्टाफ, मोबाइल कॉल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आरोपी की पूछताछ को अहम आधार बनाया।

**होटल के कमरे में मिली युवती की लाश, प्रेमी बेसुध हालत में पड़ा था**

### यूपी-112 पर आई कॉल से शुरू हुई जांच

घटना 21 मई की दोपहर की है। यूपी-112 पर एक युवक ने फोन कर बताया कि उसने और उसकी प्रेमिका ने विषाक्त पदार्थ खा लिया है और दोनों होटल के कमरे में हैं। सूचना मिलते ही बसखारी पुलिस राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित वरद होटल पहुंची। पुलिस जब होटल के तीसरे तल पर बने कमरे में पहुंची तो युवती बिस्तर पर पड़ी थी, जबकि युवक फर्श पर बेसुध हालत में मिला। कमरे में अफरा-तफरी का माहौल था। पुलिस ने तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवक को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर रेफर कर दिया गया।

इसके बाद पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी और युवती के मोबाइल फोन की जानकारी खंगाली।

**अवकाश की सूचना**

28 मई ईद-उल-अजहा के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

28 मई, 2026 यानी गुरूवार को तमसा संकेत कार्यालय व प्रेस बंद रहेगा।
अतः अगला अंक 30 मई, 2026 शनिवार को प्रकाशित होगा।
-संपादक

## प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

### केरल में नमी कम होने से अटका मानसून

**मौसम**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ। तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90% हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 mm बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है। मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य

■ उत्तर प्रदेश का बांदा में 47.4 डिग्री पारा, फिर देश में सबसे गर्म

अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है।

## गोरखपुर में तीनों दोस्त नहाने गए थे ■ आधे घंटे सर्च ऑपरेशन के बाद मिले शव

# राप्ती नदी में डूबकर 3 बच्चों की मौत

**घटना**

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में मंगलवार शाम राप्ती नदी में 3 बच्चों की डूबने से मौत हो गई। तीनों दोस्त शाम करीब 6 बजे नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक गहरे पानी में चले गए।

घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने पुलिस और परिजनों को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब आधे घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला। इसके बाद तीनों बच्चों के शव नदी से बाहर निकाले गए।

पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने परिवार के लोगों को ढांढस बंधाया। हादसा राजघाट थाना क्षेत्र का है। राजघाट थाना क्षेत्र के हांसूपुर निवासी निक्कू उर्फ अंश (15), शक्ति (15) और इरफान (16) मंगलवार शाम राप्ती नदी में नहाने गए थे। नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। देखते-ही-देखते तीनों नदी में लापता हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस और प्रशासन की टीम ने पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। एसडीएम सदर दीपक गुप्ता भी मौके पर पहुंच गए।

### मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया करीब 6 बजे थाना राजघाट पुलिस को सूचना मिली कि राप्ती नदी में तीन बच्चे डूब गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और NDRF की टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। काफी प्रयासों के बाद तीनों बच्चों के शव नदी से बरामद हुए। शवों को मॉर्च्युरी भेज दिया गया है।

### रोज यहां खेलने आते थे तीनों बच्चे

तीनों बच्चों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, तीनों बच्चे रोज यहां खेलने और घूमने आया करते थे। मृतक इरफान के पिता फखरुद्दीन हलवाई हैं। परिवार में इरफान दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। वह इस्लामिया इंटर कॉलेज में 10वीं में पढ़ता था। शक्ति के पिता मोहन मजदूर हैं। शक्ति का एक भाई और एक बहन है। वह 9वीं कक्षा में पढ़ता था। निक्कू अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन है। निक्कू के पिता सुधीर भी मजदूरी करते हैं।

**सीएम योगी ने जताया दुख, जल्द मदद देने के निर्देश**

**तीन बच्चों की मौत पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पीड़ित परिवारों से संपर्क कर शासन की ओर से मिलने वाली सहायता जल्द उपलब्ध कराई जाए। बच्चों की आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।**

## ईद-उल-जुहा को लेकर प्रशासन अलर्ट डीएम व एसपी ने किया फ्लैग मार्च

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आगामी त्यौहार ईद-उल-जुहा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। इसी क्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह तथा जॉइंट मजिस्ट्रेट प्रतिक्षा सिंह ने संयुक्त रूप से फव्वारा तिराहा से कस्बा शहजादपुर होते हुए मालीपुर रोड तक फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने बाजार, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा ड्यूटी में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और किसी भी प्रकार की अफवाह या अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाएं तथा प्रशासन का सहयोग करें। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने की हिदायत देते हुए कहा कि साइबर टीम द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

**फास्ट न्यूज**

### टीकाकरण केंद्रों का औचक निरीक्षण

बाराबंकी। बाराबंकी में संचालित नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बुधवार को शहर के विभिन्न टीकाकरण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और एएनएम से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच तथा बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

### रायबरेली में सिंचाई विभाग पेंशनर्स का धरना स्थगित

रायबरेली। रायबरेली में सिंचाई विभाग पेंशनर एसोसिएशन का धरना बुधवार को अधिशासी अभियंता से सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया। एसोसिएशन अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहा था।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने पहले ही अधिशासी अभियंता (शारदा सहायक खंड दक्षिणी) को पत्र लिखकर 25 मई तक समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इस संबंध में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भी सूचित किया गया था।

### लेखपाल 6 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

बाराबंकी। बाराबंकी में भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कोठी थाना क्षेत्र में हैदरगढ़ तहसील के मझियावां क्षेत्र के लेखपाल अमित कनौजिया और उनके निजी मुंशी विनय मिश्रा को 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई कोठी चौराहे के पास पूर्व ब्लॉक प्रमुख की राइस मिल के सामने बने दफ्तर में हुई, जिससे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया।

## ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का जिलाधिकारी ने किया मासिक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के समय इंडियन नेशनल कांग्रेस से बलवीर सिंह धनगर तथा समाजवादी पार्टी से नाज़िम अब्बासी, सोनू ठाकुर एवं अजय ठाकुर मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। चंद्र प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कर्मियों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने, सतर्कता बनाए रखने और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## फायरिंग के बीच बच्चा सड़क पर रोता रहा, दरोगा ने दौड़कर गोद में उठाया

# बरेली में बच्चे को बेचने जा रहे किडनैपर्स का एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में डेढ़ साल के बच्चे को बेचने जा रहे 2 बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। बच्चे को सही सलामत उनके चंगुल से छुड़ा लिया। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस जैसे ही बच्चे को लेकर परिवार के पास पहुंची, मां ने दौड़कर उसे गले लगा लिया। फूट-फूटकर रोने लगी। हाथ जोड़कर पुलिसवालों को धन्यवाद देती रही।

3 दिन पहले (24 मई) बच्चा अपने घर के बाहर से लापता हो गया था। काफी देर तक नहीं लौटा, तो घरवाले पुलिस के पास पहुंचे। CCTV चेक किए गए, तो 2 लोग बच्चे को किडनैप कर ले जाते दिखे।

**एसपी अंशिका वर्मा ने दरोगा से बच्चे को अपनी गोद में ले लिया। काफी देर तक उसे दुलारा। फिर उसे घरवालों को सौंप दिया। मुठभेड़ शहर के मनौना धाम से करीब 15 किलोमीटर दूर फुलासी तिराहे पर हुई।**

बरेली एसपी (साउथ) अंशिका वर्मा ने टीम बनाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। इस बीच, मंगलवार सूचना मिली कि किडनैपर बच्चे को बेचने जा रहे हैं। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। देर रात करीब 2 बजे 2 संदिग्ध बाइक से आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर यू-टर्न लेकर भागने लगे। उनके साथ बच्चा भी था। पुलिस ने पीछा किया, तो बदमाशों की बाइक फिसल गई। बच्चा बदमाशों से छिटककर सड़क किनारे झाड़ियों में गिर गया। इसी बीच खुद को घिरता देख किडनैपर्स ने फायरिंग कर दी।

■ दोनों किडनैपर्स के पैर में गोली लगी है। उन्हें गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। फायरिंग के बीच ही दरोगा सोमपाल जान पर खेलकर बच्चे के पास पहुंचे। उसे गोद में उठाकर एनकाउंटर स्पॉट से दूर ले गए। किडनैपर्स की फायरिंग में एक हेड कॉन्स्टेबल कौमिश कुमार भी घायल हुए हैं। किडनैपर्स की पहचान शाहजहांपुर के योगेश कन्नौजिया (28) और बदायूं के पवन सिंह (25) के रूप में हुई है।

मूलरूप से बदायूं के रहने वाले रमन, मनौना धाम में कर्मचारी हैं। पत्नी और 3 बच्चों के साथ धाम के पास ही किराए पर रहते हैं।

### किडनैपर्स की क्रिमिनल हिस्ट्री खंगाल रही पुलिस

पुलिस को पकड़े गए किडनैपर्स के पास से 2 तमंचे, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और अपहरण में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की बाइक मिली है। पुलिस किडनैपर योगेश कन्नौजिया और पवन की क्रिमिनल हिस्ट्री खंगाल रही है। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया-48 घंटे के भीतर अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर घरवालों को सौंप दिया गया। साथ ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। बदमाशों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। जिससे उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## मारपीट-रंगदारी मांगने का आरोप, विधायक पत्नी के गनर ने भी क्रॉस केस लिखवाया

# कानपुर में सपा नेता इरफान सोलंकी पर एफआईआर

**हंगामा**

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में सीसामऊ सीट से सपा विधायक नसीम के पति इरफान सोलंकी पर बुधवार को मारपीट, गाली-गलौच और रंगदारी मांगने का केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि इरफान अपने समर्थकों के साथ मंगलवार की रात चमनगंज के हलीम ग्राउंड में लगने वाली बकरा मंडी पहुंचे। बकरा बाजार कमेटी के पदाधिकारी वफा अब्बास से 3 लाख की रंगदारी मांगी। मना करने पर मारपीट की। पुलिस ने वफा अब्बास की शिकायत पर इरफान सोलंकी पर नामजद और उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ FIR लिखी है।

वहीं, विधायक पत्नी नसीम सोलंकी के गनर अजीम अहमद की शिकायत पर वफा अब्बास, इमरान, फहद के अलावा उनके अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। इरफान सोलंकी ने बताया कि हलीम मुस्लिम हंटर कॉलेज में बकरों की वर्षों पुरानी बाजार लगती है, जहां आने वाले ग्राहकों और कारोबारियों से वसूली की शिकायत मिल रह थी। इस पर वह पत्नी नसीम सोलंकी के साथ पहुंचे थे। विधायक नसीम सोलंकी ने वसूली का विरोध किया तो वफा अब्बास और उनके साथी भड़क गए और हमलावर हो गए।

**इरफान 34 महीने जेल में रहे, 8 महीने से जमानत पर**

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी कानपुर की डिफेंस कॉलोनी में आगजनी मामले में जमानत पर बाहर हैं। वह 34 महीने जेल में रहकर पिछले साल 30 सितंबर 2025 को महाराजगंज की जेल से बाहर आए थे।

### वफा अब्बास ने कहा- इरफान सोलंकी ने रंगदारी मांगी

पटकापुर के रहने वाले वफा अब्बास ने बताया, हलीम ग्राउंड में कई सालों से बकरा बाजार लगवाई जा रही है। बकरीद के चलते मंगलवार रात बाजार में भारी भीड़ थी। सड़कें जाम हो रही थीं। इसलिए लोगों को रास्ते से हटने के लिए कह रहा था। तभी पूर्व विधायक इरफान सोलंकी अपने कुछ साथियों बाजार आए। मेरा नाम लेकर गाली देने लगे।

लोगों ने जब मुझे यह बात बताई तो मैं उनके पास पहुंचा। इसके बाद इरफान और उनके साथियों ने मुझे पीटना शुरू कर दिया। कमेटी के समीर, फहद, इकराम समेत अन्य लोगों ने विरोध किया तो इरफान सोलंकी ने उनके साथ भी मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर लात-घूसों से मारा। हम लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

■ अखिलेश यादव के साथ इरफान सोलंकी और उनकी विधायक पत्नी नसीम सोलंकी। विधायकी रद्द होने के बाद उपचुनाव में नसीम सोलंकी ने सीसामऊ सीट से चुनाव जीता था।

### गनर पर मारपीट का आरोप लगाकर हंगामा

घटना के बाद बकरा बाजार के पदाधिकारी अपने समर्थकों के साथ एकजुट हो गए। लोगों ने हलीम ग्राउंड के सभी गेट बंद कर जमकर हंगामा किया। पूर्व विधायक मुर्दाबाद नारे लगाए। मौके पर पहुंची चमनगंज पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन पदाधिकारी आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। करीब 2 घंटे हंगामा चलता रहा।

## नीम का पेड़ कितने दिन जागृति रहेगा किस तरह रखरखाव ?

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । हालांकि, सतत विकास की अवधारणा यह बताती है कि विकास ऐसा होना चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे और भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को भी खतरे में न डाले। इसी संकल्पना में 'पृथ्वी' पर हमारे बेहतर भविष्य के लिए दुनिया भर में पर्यावरण को बचाने के लिए 1972 में शिवश्व पर्यावरण दिवसश् के रूप में एक विशेष दिन की स्थापना की थी। दुनिया भर में तकनीकी विकास की खुशी में, हम भूल गए हैं कि हम कुछ खो रहे हैं। इस तरह के विकास ने हमें दूसरी ओर खुशी दी है; इसने हमसे कई प्राकृतिक विरासतों को छीन लिया है। गौर करें तो ये एक विरासत ही हैं कि शहर के अंदर एक विकास माडल का एक माल जोर शोर से बन रहा हैं । परन्तु उसके सामने लगभग 200 पुर्व का एक नीम पेड़ लगा हैं। अगर ' दिशा दशा' देखा जाय तो सोचने पर हम आप

विवश हो रहे हैं। ऐसे में कितने दिन और जागृति रहेगा ? उपरोक्त नीम का पेड़ ! व सत्यता को स्वीकार करें कि पेड़ों में जान होती है और यह एक वैज्ञानिक तथ्य है, जिसे भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1901 में क्रेस्कोग्राफ नामक उपकरण से साबित किया था; वे सांस लेते हैं, बढ़ते हैं, प्रजनन करते हैं और बाहरी उत्तेजनाओं (जैसे दर्द) पर प्रतिक्रिया करते हैं । तथा प्रमाण ! वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने दिखाया कि पौधे बाहरी बदलावों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनकी धड़कनें भी होती हैं, जिसे वे रिकॉर्ड कर सकते थे, जिससे यह साबित हुआ कि पौधों में जीवन होता है ।

## चेतावनी : सड़कों पर पानी की बौछारें डाल रहे, 34 जिलों में लू, 16 में बारिश का अलर्ट

# यूपी में पारा 47.4 डिग्री सेल्सियस, ऑटो में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर । यूपी में नौतपा का आज तीसरा दिन है। मौसम के दो रंग नजर आ रहे हैं। पूर्वांचल में आंधी-बारिश के असर से बुधवार सुबह गर्मी थोड़ी कम है। वहीं, बुंदेलखंड में बांदा 47.4°C के साथ देश में सबसे गर्म शहर रहा। पश्चिमी यूपी में भी गर्मी से लोगों के हाल बेहाल हैं। झुलसाने वाली गर्मी के बीच अयोध्या में चलते ऑटो में आग लग गई। यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। झांसी में सड़कों को ठंडा रखने के लिए पानी बौछारें डाली जा रही हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि 35 जिलों में हीटवेव (लू) की भी चेतावनी जारी की है। इनमें से 6 शहरों-आगरा, जालौन, झांसी,

बांदा, हमीरपुर और महोबा के लिए रेड अलर्ट है। यानी यहां बहुत गर्म हवाएं चलेंगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में नौतपा में मौसम बदला रहेगा। गर्मी और लू से राहत मिलने के संकेत हैं। क्योंकि, कल यानी 28 मई से नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसमें आंधी-तूफान, गरज-चमक और बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। तापमान में 6-8°C तक की गिरावट आ सकती है। नौतपा के 9 दिनों के दौरान तापमान 40-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। लोगों को रोजमर्रा के काम, ऑफिस या जरूरी जिम्मेदारियों के कारण बाहर निकलना ही होता है। लेकिन जरा सी लापरवाही से डीहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, थकान, कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

### बांदा में हेलमेट लगाकर ऑटो चलाया

बांदा में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दोपहर 12 बजे तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। इस बीच एक ई-रिक्शा चालक ने अनोखा तरीका अपनाया है। ई-रिक्शा चालक अब हेलमेट पहनकर वाहन चला रहा है। चालक श्रीराम प्रजापति ने बताया कि बीते दिनों तेज गर्मी और लू के कारण तबीयत खराब हो गई थी। सिर में तेज दर्द, चक्कर और लगातार उल्टी की शिकायत हुई थी। इसके बाद हमने तेज धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए हेलमेट पहनकर ई-रिक्शा चलाना शुरू कर दिया।

■ झांसी में सुबह से ही सड़कों पर पानी की बौछारे डाली जा रही हैं। ताकि लोगों को तपिश से राहत दिलाई जा सके।

**मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-28 मई को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। दक्षिण बिहार और आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई पर चक्रवाती हवा की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में प्रदेश में अगले एक हफ्ते तक आंधी-बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। हवा की रफ्तार 50-60 किमी/घंटे तक पहुंच सकती है।**

# यूपी में 50 हजार बेटियों को फ्री स्कूटी मिलेगी

## ये पहली बार की वोटर, पेट्रोल मॉडल या ईवी, ये अभी तय नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बड़ा दांव खेलने जा रही है। इस साल 50 हजार से ज्यादा मेधावी बेटियों को फ्री स्कूटी देने की तैयारी है। सरकार 2022 विधानसभा चुनाव के वक्त किए गए वादे को पूरा करने जा रही है। इसके लिए 400 करोड़ रुपए का बजट भी तय हो चुका है। चुनावी साल में स्कूटी देकर सरकार को 3 बड़े फायदे हो सकते हैं-

पहला- यूपी में कुल वोटर 13.40 करोड़ हैं। इनमें 6.09 करोड़ महिलाएं हैं। स्कूटी देकर सरकार महिला वोटर में बड़ा मैसेज देना चाहती है।

दूसरा- फ्री स्कूटी पाने वाली ज्यादातर लड़कियां 2027 में पहली बार वोट देंगी। बेटियों के जरिए सरकार 'अच्छी सोच, अच्छे काम' का संदेश दे रही है।

तीसरा- विपक्ष चुनाव के वक्त मुद्दा बनाता कि भाजपा ने जो वादे किए थे, वो पूरे नहीं किए। इसलिए सरकार तेजी से इस ओर काम कर रही है।

ईवी स्कूटी पर ज्यादा जोरः शासन का मानना है कि बेटियों को पेट्रोल स्कूटी देने से उन पर पेट्रोल का खर्च बढ़ेगा। इसके बजाय इलेक्ट्रिक स्कूटी देना ज्यादा कारगर होगा। इससे वे कम खर्च में कॉलेज आ-जा सकेंगी। साथ ही परिवार पर ज्यादा आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा। हालांकि, सरकार में मौजूद कुछ लोगों का कहना है कि गांव की बेटियों को चार्जिंग में दिक्कत आ सकती है। मजबूती और टिकाऊपन पहली शर्तः ऑटोमोबाइल कंपनियों से ऐसी स्कूटी खरीदने की तैयारी है, जो कम लागत वाली हो। साथ ही मजबूत हो, जिससे छात्राएं लंबे समय तक स्कूटी चला सकें।

### बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत शिक्षा, आत्मरक्षा और नेतृत्व कौशल का मिलेगा प्रशिक्षण

# एनटीपीसी टांडा में 'सपनों की उड़ान' कार्यशाला का शुभारंभ

**कार्यक्रम**

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा की ओर से नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत आयोजित 'सपनों की उड़ान' बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला-2026 का भव्य शुभारंभ सरगम सभागार में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल के माध्यम से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एनटीपीसी लिमिटेड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनएस-पीसीएल दिवाकर कौशिक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तरा क्लब की अध्यक्षा सीमा कौशिक मौजूद रहीं। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद एनटीपीसी गीत और गरिमा महिला मंडल की ओर से स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के दौरान बालिकाओं को शिक्षा, कंप्यूटर ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, योग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आत्मरक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों और नेतृत्व कौशल से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनाना है।

**बालिका सशक्तिकरण राष्ट्र निर्माण की नींव**

दिवाकर कौशिक ने कहा कि बालिका सशक्तिकरण केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी की गर्ल एम्पावरमेंट मिशन पहल देशभर में हजारों बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

**सीमा कौशिक ने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से बालिकाएं अपने जीवन को नई दिशा दे सकती हैं। ऐसी कार्यशालाएं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।**

**प्रेरणादायी फिल्म और सांस्कृतिक कार्यक्रम बने आकर्षण**

कार्यक्रम में बालिका सशक्तिकरण अभियान पर आधारित एक प्रेरणादायी फिल्म दिखाई गई। इसमें इस पहल से बालिकाओं के जीवन में आए बदलावों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ बाल भवन और गरिमा महिला मंडल से जुड़ी छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जेम बालिकाओं की ओर से योग प्रदर्शन और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सभागार में मौजूद लोगों ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना की।

# बैंकिंग योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

### कलेक्ट्रेट में हुई डीसीसी-डीएलआरसी बैठक, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार की शाम वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के अंतर्गत डीसीसी एवं डीएलआरसी की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इसमें मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना शर्मा सहित संबंधित विभागों और बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में बैंकिंग और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी बैंक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं के तहत प्राप्त सभी प्रकरणों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की विभिन्न स्वरोजगार आधारित योजनाओं का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ना है। ऐसे में बैंकर्स लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने में सकारात्मक और उदार दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत सीसीएल, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और अन्य योजनाओं के लंबित आवेदनों की समीक्षा की। इन मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जनपद का सीडी रेशियो 51 प्रतिशत से अधिक है, जो पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है। इसके बावजूद जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के अनुसार और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सभी बैंकों को प्रगति और तेज करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों के खातों के शीघ्र खुलवाने और उन्हें ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसानों को योजनाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए, इसके लिए बैंक और विभागीय समन्वय जरूरी है।

**फास्ट न्यूज**

### पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

अम्बेडकरनगर। जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। जिला पूर्ति अधिकारी शिवाकांत पांडेय ने बताया कि सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन मौजूद है। ऐसे में लोगों को घबराने या अतिरिक्त भंडारण करने की जरूरत नहीं है। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार जिले के पेट्रोल पंपों पर करीब 998 किलोलीटर डीजल और 986 किलोलीटर पेट्रोल उपलब्ध है।

### गंगा दशहरा पर जलालपुर में धार्मिक आयोजन

अंबेडकरनगर । जलालपुर क्षेत्र में मंगलवार को गंगा दशहरा पर्व श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। तमसा नदी के किनारे स्थित शिवाला मंदिर के पक्का घाट (उष्मापुर) पर तमसा श्रेष्ठ ट्रस्ट की ओर से विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके बाद दीपोत्सव, आरती और प्रसाद वितरण किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दीपदान कर घाट को रोशनी से भर दिया। दीपों की कतार से पूरा घाट जगमगा उठा और धार्मिक वातावरण और गहरा हो गया।

### नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने याद किए आधुनिक भारत के योगदान

अम्बेडकरनगर। पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद गोष्ठी आयोजित कर उनके योगदान को याद किया गया।

## 17 साल पुराने दहेज हत्या मामले में पति और सास को उम्रकैद

### अपर सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के सम्मनपुर थाना क्षेत्र में 17 साल पुराने दहेज हत्या मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार की अदालत ने मृतका भूइला उर्फ सुशीला के पति अनिल राजभर और सास गेना देवी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर अर्थदंड भी लगाया गया है। मामले के अनुसार, रामराजभर ने अपनी बेटी भूइला उर्फ सुशीला (21) का विवाह लगभग 10 वर्ष पहले अनिल राजभर से किया था। गौना की रस्म करीब एक वर्ष पहले संपन्न हुई थी। आरोप है कि गौना के दौरान ही दामाद अनिल, उसके जेठ नंदलाल और गोवर्धन ने बाइक की मांग की थी। बाइक नहीं मिलने पर विदाई रोक दी गई थी। बाद में परिवार के समझाने पर सुशीला को ससुराल भेजा गया।

पिता रामराजभर के अनुसार विवाह के बाद ससुराल पक्ष की ओर से दहेज में बाइक की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ना की जाती थी। इसमें सास गेना देवी और जेठानी शीला पर भी आरोप लगाए गए थे। सुशीला समय-समय पर फोन के जरिए अपने परिवार को परेशानियों की जानकारी देती थी।

11 जून 2008 को रामराजभर को सूचना मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। आरोप है कि पति अनिल, सास गेना देवी और अन्य परिजनों ने मिलकर रस्सी से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

# बकरीद पर अम्बेडकरनगर में भारी वाहनों का डायवर्जन लागू

### सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक बदले रहेंगे कई मार्ग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बकरीद के मौके पर जिले में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को भारी वाहनों के लिए विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर यह व्यवस्था सुबह छह बजे से रात नौ बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर अन्य भारी वाहनों के प्रवेश और आवाजाही पर निर्धारित मार्गों के अनुसार रोक और डायवर्जन रहेगा।

पुलिस प्रशासन ने अकबरपुर, टाण्डा, जलालपुर और बसखारी क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर डायवर्जन व्यवस्था लागू की है। त्योहार के दौरान बाजारों और मुख्य मार्गों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आजमगढ़ और बसखारी की ओर से अयोध्या जाने वाले भारी वाहनों को न्यौतरिया बाईपास, गोहन्ना चौराहा, पहतीपुर श्रवण क्षेत्र और अन्नावा मार्ग से भेजा जाएगा। अयोध्या से आने वाले वाहन भी इसी मार्ग का उपयोग करेंगे। बस्ती और टाण्डा से अकबरपुर आने वाले भारी वाहनों को कटरिया याकूबपुर से डायवर्ट कर बाईपास मार्ग से उनके गंतव्य की ओर भेजा जाएगा।

**टाण्डा और जलालपुर क्षेत्र में भी बदला रहेगा रूट**

अकबरपुर से टाण्डा की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को धरमनगर पुल से राष्ट्रीय राजमार्ग-233 पर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं टाण्डा क्षेत्र के कश्मिरिया, चिन्तौरा और धुरहिया मार्गों से हल्के और भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। जलालपुर क्षेत्र में अकबरपुर से आने वाले भारी वाहनों को हाथी पार्क तिराहा से मालीपुर रोड की तरफ मोड़ा जाएगा। रफीगंज से जलालपुर की तरफ आने वाले भारी वाहनों को मंगुराडीला रोड से बसखारी की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। बसखारी से जलालपुर जाने वाले भारी वाहनों को भी मंगुराडीला रोड से रफीगंज रोड की तरफ भेजा जाएगा।

## पुलिस अधीक्षक ने की जनसुनवाई फरियादियों की शिकायतें सुनीं

### शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस कार्यालय में बुधवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें सामने रखीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में जमीन विवाद, पारिवारिक मामले, आपसी रंजिश और पुलिस से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। प्रत्येक शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने विस्तृत जानकारी ली और मौके पर मौजूद अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मामलों की जांच निष्पक्ष तरीके से की जाए और शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक परेशान न किया जाए।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना है। इसलिए हर शिकायत को गंभीरता से लेकर प्रभावी कार्रवाई की जाए।उन्होंने यह भी कहा कि नियमित जनसुनवाई से लोगों का भरोसा बढ़ता है और पुलिस-जन संवाद मजबूत होता है।

### अभियान चलाकर शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य

# आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयुष्मान भारत–जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जिले में चल रहे कार्ड निर्माण अभियान की स्थिति, लक्ष्य और अब तक की उपलब्धियों की जानकारी ली गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय कुमार शैवाल ने बताया कि जनपद में निर्धारित लक्षित परिवारों में से अधिकांश परिवारों में कम से कम एक गोल्डन कार्ड बनाया जा चुका है। इसी तरह कुल लाभार्थियों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक बड़ी संख्या में कार्ड बनाए जा चुके हैं। हालांकि अभी भी कुछ पात्र लाभार्थी शेष हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लाभार्थियों के कार्ड निर्माण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ग के लोगों तक प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ पहुंचाया जाए। साथ ही निर्देश दिया गया कि सभी आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य कैंप के माध्यम से निःशुल्क किए जाएं, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखें और अभियान की रोजाना समीक्षा करें।

**मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बैठक में बताया कि जिले में लक्षित परिवारों और लाभार्थियों के सापेक्ष बड़ी संख्या में गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं। शेष पात्र लोगों के लिए अभियान लगातार जारी है।**

**डीएम ने अभियान को और तेज करने के दिए निर्देश**

जिलाधिकारी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य हर पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाना है। इसलिए अभियान चलाकर शेष सभी पात्र लाभार्थियों के कार्ड जल्द से जल्द बनाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रतिदिन कार्ड निर्माण की प्रगति सुनिश्चित करें। जहां सीएचओ उपलब्ध नहीं हैं, वहां पंचायत सहायकों को जिम्मेदारी दी जाए ताकि काम में कोई बाधा न आए।

**गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर**

डीएम ने कहा कि इस अभियान में कोटेदारों, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का कार्ड बनने से वंचित न रहे।

उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य, पंचायत, पूर्ति और बाल विकास विभाग मिलकर संयुक्त रूप से अभियान को आगे बढ़ाएं।

# दलहन-तिलहन खरीद केंद्र शुरू 5 जून तक खरीद का लक्ष्य

### डीएम ईशा प्रिया ने तय की पूरी क्रय व्यवस्था, अधिकारियों को सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में दलहन और तिलहन फसलों की खरीद के लिए क्रय केंद्र स्थापित कर दिए गए हैं। रबी 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के तहत तूर (अरहर), चना, मसूर और लाही-सरसों की खरीद मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत की जाएगी।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि शासन के निर्देश पर फसलवार लक्ष्य तय कर खरीद प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक क्रय केंद्र पर खसरा, खतौनी और नाम का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके लिए संबंधित तहसील के उपजिलाधिकारी को सत्यापन अधिकारी नामित किया गया है। डीएम ने कहा कि राजस्व विभाग के राजपत्रित अधिकारी पर्यवेक्षण करेंगे ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो। डीएम ईशा प्रिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी क्रय केंद्रों पर खरीद कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी 5 जून तक हर हाल में खरीद प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। उन्होंने यूपीसीयू और यूपीसीएफ के जिला प्रबंधकों को निर्देशित किया कि शासन की क्रय नीति का सख्ती से पालन हो और किसानों को तत्काल सुविधा मिले।

**डीएम ने तय किए क्रय केंद्र, एजेंसियां नामित**

जिलाधिकारी के अनुसार अकबरपुर तहसील में यूपीसीयू एजेंसी के तहत जिला सहकारी सभा अयोध्या शाखा अकबरपुर और सिंझौली मंडी परिसर को क्रय केंद्र बनाया गया है। वहीं टांडा तहसील के बसखारी विकास खंड में यूपीसीएफ के माध्यम से बी-पैक्स बसखारी नंबर-1 परिसर स्थित गोदाम को क्रय केंद्र के रूप में अनुमोदित किया गया है।

डीएम ने कहा कि सभी केंद्रों पर व्यवस्था समय से और तय मानकों के अनुसार सुनिश्चित की जाए।

## सरकारी तालाब पर अवैध मिट्टी पटाई, ग्रामीणों में आक्रोश

### जेसीबी और ट्रैक्टर से चल रहा काम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चांदपुर भटपुरा में सरकारी तालाब पर अवैध मिट्टी पटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि खुलेआम जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली की मदद से तालाब क्षेत्र में मिट्टी डालकर कब्जे की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह काम राजस्व और खनन विभाग के नियमों की अनदेखी कर किया जा रहा है। इसके बावजूद मौके पर किसी तरह की रोकथाम की कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब की जमीन पर लगातार मिट्टी डालकर उसका स्वरूप बदला जा रहा है। इससे न केवल जलस्रोत प्रभावित हो रहा है, बल्कि सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग का भी मामला सामने आ रहा है। लोगों ने सवाल उठाया है कि दिनदहाड़े चल रहे इस काम पर जिम्मेदार विभागों की नजर क्यों नहीं पड़ रही है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है कि खनन और राजस्व विभाग को जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते रोक नहीं लगी तो तालाब पूरी तरह खत्म हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर अवैध मिट्टी पटाई पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई है। लोगों का कहना है कि सरकारी जमीनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि इस तरह के मामलों पर रोक लग सके।

**निलंबित : डीपीआरओ के औचक निरीक्षण में खुली लापरवाही की पोल, कई कमरे महीनों से बंद मिले**

# देवहट सचिवालय में 'गंदगी का राज' उजागर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बसखारी विकास खंड की ग्राम पंचायत देवहट स्थित ग्रामीण सचिवालय में साफ-सफाई व्यवस्था की गंभीर खामियां सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडेय के औचक निरीक्षण में सचिवालय परिसर में फैली गंदगी और अव्यवस्था को लेकर कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सचिवालय भवन की हालत बदहाल मिली। कई कमरे लंबे समय से बंद पाए गए और उनमें नियमित सफाई नहीं की गई थी। परिसर में घास-फूस उगा हुआ था और चारों ओर अव्यवस्था का माहौल था। स्थिति देखकर अधिकारियों ने मौके पर ही नाराजगी जताई। जांच में सामने आया कि सफाईकर्मी सुनील कुमार बिना किसी सूचना के लगातार दो दिन से अनुपस्थित थे। प्राथमिक जांच में यह भी पाया गया कि ग्राम प्रधान द्वारा दिए गए साफ-सफाई संबंधी निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

**घटना के बाद पंचायत राज विभाग ने ग्रामीण सचिवालयों की नियमित निगरानी और निरीक्षण को और सख्त करने के संकेत दिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी परिसरों की साफ-सफाई और व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।**

**तत्काल निलंबन, जांच के आदेश जारी**

लापरवाही को गंभीर मानते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी ने सफाईकर्मी सुनील कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), मियांव को मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच में यह तय किया जाएगा कि लापरवाही किस स्तर तक रही और जिम्मेदारी किसकी बनती है। विभागीय रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

सचिवालय में बुनियादी सफाई व्यवस्था तक प्रभावित मिली, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। निरीक्षण के दौरान स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई।

प्रशासन ने आदेश जारी किया है कि निलंबन अवधि के दौरान सफाईकर्मी को विकास खंड बसखारी कार्यालय से संबद्ध रखा जाएगा। नियमानुसार उसे जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

साथ ही स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक रहेगी।

## अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई सात ट्रक और दो ट्रैक्टर सीज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र में सफेद बालू से लदे 7 ट्रक और 2 ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया। कार्रवाई के बाद खनन कारोबारियों और वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर की गई। जिलेभर में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत उपजिलाधिकारी आलापुर और क्षेत्राधिकारी आलापुर के नेतृत्व में जिला खनन अधिकारी, एआरटीओ और राजेसुल्तानपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम अन्नुपुर-कम्हरिया रोड के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया।

चेकिंग के दौरान सफेद बालू लदे कई वाहनों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि कुछ वाहन निर्धारित मानकों से अधिक लोड लेकर चल रहे थे और खनन नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

**राजेसुल्तानपुर क्षेत्र में ओवरलोडिंग और नियम उल्लंघन पर संयुक्त टीम की छापेमारी**

नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने खनन अधिनियम, ओवरलोडिंग नियमों और संबंधित प्रावधानों के तहत 7 ट्रक और 2 ट्रैक्टर को मौके पर ही सीज कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार सभी वाहन बिना नियम पालन के परिवहन करते पाए गए, जिसके बाद कार्रवाई की गई।

# सम्पादकीय

## एनटीए के बाद सीबीएसई

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के प्रश्नपत्र लीक हो जाने के कारण इस परीक्षा को निरस्त करने के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में जिस तरह विसंगतियों की शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराशाजनक भी हैं और दुर्भाग्यपूर्ण भी। इसी कारण शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने जैसे नीट का आयोजन करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए एवं शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को तलब किया था, वैसे ही सीबीएसई के चेयरमैन को भी अपने समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है।

उनसे पूछा जाएगा कि सीबीएसई परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ियां क्यों सामने आ रही हैं? पता नहीं वे क्या जवाब देते हैं और उनसे संसदीय समिति संतुष्ट होती है या नहीं, लेकिन प्रश्न केवल उसके संतुष्ट होने का नहीं है। प्रश्न यह है कि सीबीएसई उन छात्रों को संतुष्ट कर पाएगा या नहीं, जो अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी की शिकायत कर रहे हैं? ध्यान रहे ऐसी कई शिकायतों को सीबीएसई ने सही पाया है। इसका अर्थ है कि सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में वास्तव में कोई खामी है। यह कहना कठिन है कि कितने छात्र पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया में खामी के शिकार हैं, लेकिन जब ऐसा होता है तो छात्रों और साथ ही अभिभावकों का परीक्षा मूल्यांकन की प्रक्रिया से भरोसा उठता है। इसी के साथ परीक्षा आयोजन करने वाली संस्था की साख पर भी बट्टा लगता है।

यह सामान्य बात नहीं कि जहां कुछ छात्र यह पा रहे हैं कि बोर्ड द्वारा अपलोड की गई उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापी उनकी लिखावट से मेल नहीं खा रही है, वहीं कुछ की यह शिकायत है कि सही उत्तर के बाद भी उनके अंक काट दिए गए। कुछ यह भी कह रहे हैं कि स्कैन कापी देखकर समझना कठिन है कि उत्तर पुस्तिका किसकी है? यह ठीक है कि सीबीएसई अधिकारी विसंगतियों को ठीक कर रहे हैं और शिकायत करने वाले छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन इससे केवल समय और संसाधन की बर्बादी ही नहीं होगी, बल्कि अन्य छात्रों के मन में भी यह आशंका घर करेगी कि उनकी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन सही तरह हुआ या नहीं? इसके चलते और छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता महसूस कर सकते हैं। यह सीबीएसई अधिकारी ही बता सकते हैं कि उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी के कारण क्या हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि आन स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम का काम जिसे दिया गया, वह इसे करने में दक्ष नहीं था। त्रासदी यह है कि ऐसा पहली बार देखने को नहीं मिल रहा है।

# क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

> शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है।

> इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके।

**ललित गर्ग**

## बहरहाल वेणुगोपाल...

अशोक भाटिया

# क्यों बार बार उठती है कर्नाटक के मुख्यमंत्री बदलने की बात

स्पष्ट है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा का मुख्य कारण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी।के। शिवकुमार के बीच 'सत्ता के बंटवारे' का अंदरूनी विवाद है। 2023 में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद से ही डी।के। शिवकुमार खेमा ढाई-ढाई साल के रोटेशनल फॉर्मूले के तहत उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और डी।के। शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया था। शिवकुमार खेमे का दावा है कि हाईकमान ने आधा कार्यकाल पूरा होने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें सौंपने का वादा किया था।

बीते महीनों में कई बार नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें सामने आईं। डीके समर्थक खुले तौर पर सत्ता हस्तांतरण की बात करते रहे, जबकि सिद्दारमैया खेमे ने इसे खारिज किया। इससे सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर असहज स्थिति बनी रही। विपक्षी भाजपा और जेडीएस भी लगातार कांग्रेस की अंदरूनी कलह को मुद्दा बनाते रहे। कांग्रेस हाईकमान की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि यदि यह संघर्ष लंबा चला तो उसका असर 2028 के विधानसभा की तैयारी और दक्षिण भारत में पार्टी की स्थिरता पर पड़ सकता है। इसलिए अब पार्टी नेतृत्व एक स्पष्ट सत्ता परिवर्तन मॉडल की ओर बढ़ता दिख रहा है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि चर्चा सिर्फ मुख्यमंत्री बदलने तक सीमित नहीं है। दरअसल राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उम्मीदवार तय करने पर भी मंथन हो रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे का नाम राज्यसभा के लिए प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। इसके अलावा, विधान परिषद की तीन खाली सीटों पर भी चर्चा चल रही है। एक सीट पर सरकार के पास बहुमत है, बाकी को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यानी 'पावर बैलेंस' और संगठ-नात्मक समीकरण को साधने की कोशिश जारी है।

पार्टी के अंदरूनी संकेत बताते हैं कि डीके शिवकुमार को संगठन और हाईकमान का मजबूत समर्थन मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने कर्नाटक में पार्टी को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बनाने के लिए नेतृत्व परिवर्तन पर गंभीरता से विचार हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाय कमान की बैठक में सीएम की कुर्सी ट्रांसफर करने के लिए कांग्रेस ने बीजेपी का बिहार फॉर्मूला निकाल सकता है। जिस तरह बिहार में नीतीश कुमार को राज्यसभा और उनके बेटे को सम्राट चौधरी कैबिनेट में जगह दी गई है, उसी तरह सिद्धारमैया को ऑफर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, मैराथन मीटिंग के बाद हाईकमान ने सिद्धारमैया को सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद राज्यसभा भेजने का ऑफर दिया है। साथ ही उनके बेटे में डीके शिवकुमार के कैबिनेट में जगह दी जाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने छह घंटे से अधिक समय तक कांग्रेस हाई कमान मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ बिताए। उसी दिन राहुल ने एक एकांत बैठक के दौरान सिद्धारमैया से पार्टी में राष्ट्रीय भूमिका निभाने पर विचार करने को कहा। उनसे एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा गया।

बहरहाल वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा की बातों को अटकलें बताकर हालाँकि खारिज कर किया है । उन्होंने कहा कि बैठकें आगामी राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों तक ही सीमित थीं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने राहुल से कहा कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है, लेकिन राहुल ने जोर दिया कि वह कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने के लिए इस अनुभवी OBC नेता को अपनी टीम में चाहते हैं। राहुल अब तक सिद्धारमैया को बदलने के विचार का विरोध करते रहे थे, जबकि पार्टी के शीर्ष पदों पर बैठे अन्य लोगों का मानना था कि नेतृत्व में बदलाव से कांग्रेस को मदद मिल सकती है।

# उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से स्वरोजगार को मिली नई रफ्तार

उत्तर प्रदेश में युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित सरकारी योजनाएं अब धरातल पर व्यापक बदलाव ला रही हैं। युवाओं को खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए बेहतर योजनाओं के सहयोग के साथ प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य के भीतर एक ऐसा अनुकूल माहौल तैयार करना है जहां नया विचार रखने वाला कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में पीछे न छूटे। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए आशा की नई किरण लेकर आई है जो अपने हुनर के दम पर बाजार में नई पहचान बनाना चाहते हैं।

इस नई पहल के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारंपरिक रूप से किसी भी नए व्यवसाय को शुरू करने में सबसे बड़ी बाधा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता और बैंकों से ऋण लेने के लिए गिरवी रखने की शर्त होती है। प्रदेश सरकार ने इस व्यावहारिक समस्या को समझा और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बिना किसी सुरक्षा या गारंटी के पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की। इसके अतिरिक्त शुरुआती वित्तीय बोझ को कम करने के उद्देश्य से कुल परियोजना लागत पर दस प्रतिशत की मार्जिन-मनी सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है, जो नए उद्यमियों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही है।

यह योजना केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें विनिर्माण, सेवा और व्यापार जैसे व्यापक क्षेत्रों को शामिल किया गया है। योजना के क्रियान्वयन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है, जिसके तहत बेरोजगार युवाओं के साथ-साथ महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन के माध्यम से इन लक्षित समूहों तक योजना की जानकारी और लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि युवाओं को आत्मनिर्भर होने में सहायता देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। कानपुर औद्योगिक नगरी के रूप में अपनी एक विशेष पहचान रखता है और यहां इस योजना के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। शहर की एक शिक्षित युवती प्रभनूर कौर ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन को एक नई दिशा दी है। प्रभनूर को बचपन से ही बेकिंग का शौक था और वे अक्सर पारिवारिक आयोजनों और मित्रों के लिए विशेष केक और बेकरी उत्पाद तैयार करती थीं। उनके उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की हमेशा सराहना होती थी, जिससे धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने महसूस किया कि इस शौक को एक व्यावसायिक रूप दिया जा सकता है और इसे अपनी जीविका का मुख्य साधन बनाया जा सकता है।

अपने इस सपने को व्यावसायिक धरातल पर उतारने के लिए उन्होंने केवल अपने बुनियादी ज्ञान पर निर्भर रहना उचित नहीं समझा। उन्होंने दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में आयोजित प्रतिष्ठित बेकरी वर्कशॉप में भाग लिया।

# जीवन को गढ़ना

विद्यार्थी के सामने लक्ष्य पढ़ाई का हैं । वह जीवन में शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक हैं परन्तु पढ़ाई के साथ - साथ अपने जीवन को गढ़ना भी बहुत महत्वपूर्ण हैं । अगर इंसान ठान ले कि मुझे अमुक मुक़ाम हाशिल करना है ,तो ध्यान रहे कि अथाह सकारात्मक परिश्रम कभी-कभी भाग्य की रेखा भी बदल देते हैं। हां ! परिश्रम के दो फ़ायदे हैं। हम अगर शारीरिक परिश्रम करते हैं तो हमारा स्वास्थ्य सही रहेगा और अगर दिमाग़ का श्रम करते है तो हम्हें उस क्षेत्र में और आगे बढ़ने का मौक़ा मिलेगा। हम परिवार में कैसे रहें, कैसे सामंजस्य रहें, कैसे एक - दूसरे को सहन करें ? इस प्रकार की शिक्षा और संस्कार भी जीवन में आने चाहिए । समझशक्ति बढ़ गई और सहन शक्ति नहीं बढ़ी तो समझना चाहिए एक बड़ी कमी रह गई । मन की सुंदर सोच है तो हमको सारा संसार सुंदर नज़र आएगा । ज़िंदगी में कभी भी अपने किसी हुनर पर हम घमंड ना करे क्योंकि पत्थर जब पानी में गिरता है तो अपने ही वज़न से डूब जाता हैं । आचार्य श्री तुलसी पाली में विराजमान थे । उस समय आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी युवाचार्य अवस्था में थे । कोलकाता के नोपानी स्कूल के प्रमुख लोग आए, वार्तालाप हुआ । युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी - आपका नोपानी स्कूल बहुत अच्छा हैं । आप अच्छी पढ़ाईं कराते हैं और फिर बच्चों को दुःखी बनने के लिए घर भेज देते हैं । आगन्तुक लोगों ने आश्चर्य के साथ पूछा- यह कैसे ? युवाचार्य श्री - आप बच्चों की समझशक्ति को तो बढ़ा देते हैं पर साथ में सहनशक्ति अगर नहीं बढ़ती हैं तो वे घर- परिवार में जाएंगे, अनेक बातों को देखेंगे । वे बातों को समझ तो लेंगे किन्तु सहन नहीं कर सकेंगे और दुःखी बन जाएंगे । आगन्तुक लोग - आपकी यह बात ठीक हैं, ऐसा तो होता हैं । युवाचार्य श्री - हम यही कह रहें हैं कि समझशक्ति के साथ सहनशक्ति भी बढ़नी चाहिए । परिवार में सहिष्णुता हों, एक - दूसरे के प्रति हितैषिता हो और अनुशासन हो तो परिवार का माहौल अच्छा बनता हैं ।

**› प्रदीप छाजेड़**

## जरा हटके

## दिव्यांगजनों के लिए...

मो0 इक़बाल खाँ, सूचना अधिकारी

# प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों को दी है, निःशुल्क बस यात्रा की सौगात

भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश है, जहाँ करोड़ों लोग प्रतिदिन सड़क, रेल और हवाई परिवहन सेवाओं का उपयोग करते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन दिव्यांगजनों की भी है, जिन्हें यात्रा के दौरान विशेष सुविधाओं और सहयोग की आवश्यकता होती है। दिव्यांगजन भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से यात्रा करनी पड़ती है। लंबे समय तक दिव्यांगता को केवल दया और सहानुभूति के दृष्टिकोण से देखा जाता था, लेकिन बदलते समय के साथ समाज की सोच में व्यापक परिवर्तन आया है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजन को अधिकार आधारित व्यवस्था के माध्यम से समान अवसर उपलब्ध कराना है। दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्य भी है।

इसी उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए "सुगम्य भारत अभियान" और "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016" के अंतर्गत परिवहन सुविधाओं को अधिक सुलभ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन को अधिक समावेशी बनाने पर विशेष बल दिया है। परिवहन केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है। यदि कोई दिव्यांग व्यक्ति आसानी से यात्रा कर सके, तो वह शिक्षा प्राप्त कर सकता है, नौकरी कर सकता है, सामाजिक जीवन में भाग ले सकता है और अपने अधिकारों का उपयोग कर सकता है। उ0प्र0 की योगी सरकार ने सार्वजनिक बसों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष सीटें आरक्षित की हैं। इन सीटों पर स्पष्ट संकेत बनाए गये हैं ताकि अन्य यात्री उनका उपयोग न करें। "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016" के तहत दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर और सुगम परिवहन का अधिकार प्रदान किया गया है। इस कानून के अनुसार सरकार और निजी संस्थानों को सार्वजनिक परिवहन को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाना आवश्यक है। इसी भावना के अनुरूप दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया, जिसके माध्यम से दिव्यांगजन को शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक सुविधाओं में बेहतर अवसर प्रदान किए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए गतिशीलता (डवइपसपजल) स्वतंत्रता का आधार है। इसे समझते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार ने 'उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम' (न्च्ैत्ज्ब्) की बसों में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की है।

दिव्यांगजनों के लिए यात्रा करना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा सुविधा दी गई है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी की बसों में न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले सभी दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले अथवा बहुदिव्यांग व्यक्तियों को एक सहायक के साथ यात्रा करने की अनुमति दी गई है। प्रदेश सरकार की यह सुविधा दिव्यांगजनों के जीवन को सरल और सुविधाज-नक बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिव्यांगजनों के लिए अन्तिम गन्तव्य तक (चाहे वह राज्य की सीमा से बाहर ही क्यों न हो) निर्धारित की गयी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सत्ता संभालने से लेकर अब तक हर वित्तीय वर्ष में राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क यात्रा हेतु बजट में बढोत्तरी की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि 40.00 करोड़ रूपये के सापेक्ष उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम को दिव्यांगजनों को निःशुल्क बस यात्रा हेतु अद्यतन कुल 95 प्रतिशत भुगतान किया गया है। योगी सरकार की यह वित्तीय अनुदान धरातल पर लाखों दिव्यांगजनों के जीवन में उजाला ला रही है।

प्रदेश सरकार संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की निःशुल्क बस यात्रा सुविधा दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। आज दिव्यांगजन केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदार बन कर उभरे हैं। भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांगजनों के सम्मान, स्वावलंबन और सुगम जीवन के लिए जो कदम उठाए हैं, वे न केवल सराहनीय हैं बल्कि अन्य राज्यों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल भी हैं। दिव्यांगता अब प्रगति की राह में बाधा नहीं है, क्योंकि प्रदेश सरकार ने 'अंत्योदय' के संकल्प को सिद्ध करते हुए दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ठोस नीतियां लागू की हैं। दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वे समाज के विकास में सक्रिय योगदान देने की क्षमता रखते हैं।

## यूपी में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का नया मॉडल, 27% ओबीसी आरक्षण के निर्धारण के बाद ही होंगे चुनाव

# समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और प्रधानों को कमान

**फैसला**

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने जब ग्रामीण निकायों में ओबीसी आरक्षण के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन का फैसला लिया था, उसी समय संकेत मिल गए थे कि ग्राम पंचायतों के चुनाव में अभी वक्त लगेगा। आयोग का गठन एक महत्वपूर्ण निर्णय था, लेकिन योगी सरकार ने इससे भी बड़ा ऐतिहासिक फैसला निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक के रूप में नियुक्त करने का लिया है।

यह निर्णय ग्राम स्वराज और ग्राम समाज की उस लोकतांत्रिक अवधारणा को मूर्त रूप देता है, जिसमें स्थानीय इकाइयों के अधिकारों और उनकी निरंतरता की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। ग्राम पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की आधारभूत इकाइयां हैं, उनका सशक्त और सक्रिय बने रहना ही लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक रक्षा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में नीतिगत निर्णय लेकर ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त, स्वावलंबी और आत्मविश्वासी बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था भर नहीं, बल्कि जमीनी लोकतंत्र, जनभागीदारी और ग्रामीण स्वशासन के प्रति सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

> **योगी सरकार का यह निर्णय उसी विचारधारा के निकट दिखाई देता है, जिसमें गांव को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना और विकास की जीवंत शक्ति के रूप में देखा गया है। प्रधानों को प्रशासक बनाकर सरकार ने ग्राम समाज की सामूहिक शक्ति, स्थानीय अनुभव और जन-नेतृत्व की प्रासंगिकता को नई मान्यता दी है।**

### लोकतंत्र और सत्ता का विकेंद्रीकरण

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था- 'जब तक हम समाज के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले व्यक्ति के आर्थिक और सामाजिक उत्थान को सुनिश्चित नहीं करते, तब तक स्वतंत्रता और लोकतंत्र के कोई मायने नहीं हैं। सत्ता का विकेंद्रीकरण ही वास्तविक लोकतंत्र की कुंजी है।' इस दर्शन में यह निहित है कि शीर्ष पर बैठी व्यवस्था को नीचे की लोकतांत्रिक इकाइयों पर नियंत्रण न रखकर उन्हें संबल देना चाहिए। पंचायत चुनावों तक ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखना इसी दर्शन का व्यावहारिक रूप है। अब से पहले यह देखा जाता रहा है कि स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने या अपरिहार्य कारणों से चुनाव समय पर नहीं हो पाने पर नौकरशाही को कमान सौंप दी जाती थी।

तस्वीर हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, गढ़वाल के कुलपति प्रो श्रीप्रकाश सिंह की है। उन्होंने यह लेख लिखा है।

### जन-भावनाओं का सम्मान

मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि लालफीताशाही की अपनी एक जड़वत प्रवृत्ति होती है, जिसके कारण कई बार विकास कार्य अनावश्यक प्रक्रियाओं और प्रशासनिक उलझनों में फंसकर ठहराव का शिकार हो जाते हैं। योजनाएं बनती हैं, घोषणाएं होती हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की गति धीमी पड़ने से जनता तक उसका अपेक्षित लाभ समय पर नहीं पहुंच पाता। विशेष रूप से गांवों में, जहां विकास की छोटी-छोटी योजनाएं भी लोगों के दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी होती हैं, वहां प्रशासनिक शिथिलता सीधे जनजीवन को प्रभावित करती है।

ऐसे समय में योगी सरकार ने पारंपरिक नौकरशाही के इसी जड़ ढांचे को तोड़ते हुए जन-भावनाओं और स्थानीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को सर्वोपरि रखने का प्रयास किया है।

## सुभाष कौशिक की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण एमओयू संपन्न किया गया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । आज आयुष भवन जनकपुरी नई दिल्ली में नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रोफेसर विजय पुस्कर एवं केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद , नई दिल्ली के डॉयरेक्टर जनरल सीसीआरएच के डॉ. सुभाष कौशिक की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण एमओयू (MoU) संपन्न किया गया। इस समझौते के अंतर्गत अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य समस्याओं पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह पहल चिकित्सा शिक्षा, शोध एवं रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। यह जानकारी राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय गोमतीनगर लखनऊ के प्राचार्य, डॉ. विजय पुस्कर ने देते हुए बताया कि इस एमओयू के माध्यम से अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लखनऊ द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस समझौते के अंतर्गत अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य समस्याओं पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

**फास्ट न्यूज**

### लखनऊ में 3 बंद मकानों में लाखों की चोरी

लखनऊ। लखनऊ में चोरों ने गाजीपुर और बिजनौर इलाके में बंद मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नकदी पार कर दी। तीनों मामलों में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजीपुर के इंदिरानगर निवासी अधिवक्ता अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि वह 3 मई को किसी काम से बाहर गए थे। अगले दिन लौटने पर घर का मेनगेट और कमरों के ताले टूटे मिले।

### लखनऊ में पति ने पत्नी को मार डाला

लखनऊ । लखनऊ के बाजारखाला थानाक्षेत्र में एक युवक ने पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी। दोनों का लंबे समय से विवाद चल रहा था। पत्नी 3 महीने से मायके में रह रही थी। आरोपी पति ने फोन करके मिलने के बहाने बुलाया। खलरवा लेन ऐशबाग निवासी चांदनी (26) की शादी 7 साल पहले मोहम्मद शाहिद से हुई थी। दोनों का एक 4 साल का बेटा है। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति शाहिद अक्सर चांदनी के साथ मारपीट करता था। जिससे तंग आकर 3 महीने से वह तकिया चांद अलीशा रामनगर ऐशबाग स्थित अपने मायके में रह रही थी।

### युवक ने कुत्ते को पटक-पटकर मारा, चाकू से गला रेता

लखनऊ । लखनऊ में एक युवक ने कुत्ते का बेरहमी से कत्ल कर दिया। पहले कुत्ते को पटक-पटककर मारा। इस पर भी जब मन नहीं भरा तो पहले चाकू से उसकी गर्दन धीरे-धीरे रेती। इसके बाद चमड़ी उधेड़ ली। लोगों ने उसे मन किया, लेकिन आरोपी नहीं माना। घटना लखनऊ के निगोहां क्षेत्र में मंगलवार को हुई।

## उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संघ की मांगों को मिली बड़ी सफलता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संघ की लंबे समय से लंबित मांगों को शासन स्तर पर स्वीकृति मिलने के बाद संघ पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी की लहर है। संघ द्वारा लगातार उठाई जा रही मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 द्वारा नए पदों के सृजन और पुनर्गठन संबंधी आदेश जारी किए गए हैं।

संघ के अध्यक्ष के. बी.एल. श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संवर्ग का पुनर्गठन करते हुए समीक्षा अधिकारियों (लेखा) के 03, संयुक्त सचिव (लेखा) के 04, अपर सचिव (लेखा) के 06 तथा उप सचिव (लेखा) के 04 नए पदों का सृजन किया गया है। इसके साथ ही अनुभाग अधिकारी (लेखा) के 04, समीक्षा अधिकारी (लेखा) के 12 तथा सहायक समीक्षा अधिकारी (लेखा) के 04 अतिरिक्त पदों की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

संघ के पदाधिकारियों ने इसे लेखा संवर्ग के कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि कई वर्षों से लंबित मांगों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। शासन के इस निर्णय से कर्मचारियों को पदोन्नति के बेहतर अवसर मिलेंगे तथा कार्य व्यवस्था भी अधिक प्रभावी और सुदृढ़ होगी।

संघ के अध्यक्ष के. बी.एल. श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विजयी नारायण सिंह, महामंत्री अजीत प्रताप सिंह, सचिव भजुरामा सहित समस्त पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव तथा सचिवालय प्रशासन एवं वित्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के हितों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य में भी कर्मचारियों की अन्य मांगों पर इसी प्रकार सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे।

### लखनऊ को स्वच्छता में नंबर-1 बनाने की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 को लेकर बुधवार को संगम सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने की। बैठक में लखनऊ को स्वच्छता रैंकिंग में देश में प्रथम स्थान दिलाने की रणनीति पर चर्चा हुई। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि लखनऊ ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अब लक्ष्य देश में नंबर-1 शहर बनना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़े के ढेर दिखाई न दें और सीवेज संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। अस्पतालों, होटलों और व्यावसायिक क्षेत्रों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्कूलों में कायाकल्प कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने और शिकायत निस्तारण प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें जनभागीदारी बेहद जरूरी है।

## पेट्रोल-डीजल कीमतों में बढ़ोतरी का विरोध, छात्रों को उठाकर ले गई पुलिस

# लखनऊ विश्वविद्यालय में सपा छात्र सभा का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 पर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दामों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के विरोध में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच करीब 20 मिनट तक नोकझोंक होती रही। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। रोहित यादव ने कहा कि ये सरकार अच्छी शिक्षा और रोजगार देने में बिल्कुल फेल है । भ्रष्टाचार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यूनिवर्सिटी में साफ पीने का पानी तक नहीं है। पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे है, मांग है कि सरकार बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस ले। सबसे ज्यादा परेशान छात्र हो रहे हैं। जो हॉस्टल में रहते हैं और उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है।

### पार्टी जनमानस के हितों के लिए कर रही संघर्ष

प्रदर्शन कर रहे शिवा जी यादव ने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा आम जनमानस के हितों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष कर रही है , जम लोग अपने मेरा के निर्देश पर संघर्ष कर रहे हैं । आम जनता महंगाई की मार से परेशान है उसकी कमर टूटती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में कार्य कर रही है और आम जनता की समस्याओं की अनदेखी कर रही है।

### 'दोहरी मार से जनता परेशान'

प्रदर्शन कर रहे आदित्य ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि कर रही है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ व्यावसायिक सिलेंडर गैस और पांच किलोग्राम वाले सिलेंडरों के दाम बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। महंगाई से पहले ही परेशान आम नागरिकों के लिए यह स्थिति और कठिन होती जा रही है , ये दोहरी मार के लिए लोग तैयार नहीं ।

# प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

## ऑफिस के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग की, बाइक से भागे दोनों बदमाश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के पीजीआई थानाक्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने ऑफिस के सामने मोबाइल से बात कर रहे थे। आसपास के लोगों ने प्रॉपर्टी डीलर को तुरंत अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात बुधवार दोपहर कल्ली पश्चिम इलाके की है। घटना का एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें एक बदमाश प्रॉपर्टी डीलर पर ताबड़तोड़ गोलियां मारते दिख रहा। हत्या के बाद बदमाश अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह जौनपुर जिले के रहने वाले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के जरिए हत्या की जांच में जुटी हुई है। प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले थे। वह अपने परिवार के साथ कालिंदी पार्क के पास रहते हैं। बुधवार दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच वह अपने ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव मार्केट में अपने ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे। तभी बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, तभी आरोपी बाइक से भाग निकले। एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की कोशिश की जा रही है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश समेत कई ऐंगल पर जांच की जा रही है। संदीप सिंह ने करीब डेढ़ साल पहले कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव कॉम्प्लेक्स में पीएसएस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ऑफिस खोला था।

### पहली गोली लगते ही सड़क पर गिरे संदीप

पुलिस को घटना की 50 सेकंड की CCTV फुटेज मिली है। इसमें दिख रहा कि प्रॉपर्टी डीलर संदीप कार से नीचे उतरने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान सफेद शर्ट और नीले जींस पहने बदमाश उनके पास आता है। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है। पहली गोली सीने के पास लगते ही संदीप सड़क पर गिर पड़ते हैं। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार फायरिंग करता रहता है। वह आखिरी गोली संदीप के सिर के पास मारता है। इसे लेकर पुलिस मान रही है कि बदमाश पेशेवर भी हो सकते हैं।

### बाइकसवार बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था

स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाए हुए था। जबकि, पीछे बैठे हमलावर ने अपना मुंह सफेद गमछे से बांध रखा था। वारदात को अंजाम देते समय एक बदमाश अपाचे बाइक स्टार्ट किए हुए पहले से खड़ा हुआ था। संदीप को कई गोलियां मारने वाला दूसरा बदमाश दौड़ते हुए बाइक पर बैठा। जिसके बाद दोनों भाग निकले। संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं।

यह तस्वीर प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की है। (फाइल फोटो)

## एस आई आर डी मे विभिन्न विषयो पर विशेषज्ञो द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा, महानिदेशक संस्थान सम्प्रति प्रमुख सचिव ग्राम विकास उ०प्र०शासन के संरक्षण व संस्थान के प्र0 अपर निदेशक, सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन में संस्थान परिसर के विभिन्न प्रशिक्षण कक्षों में, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत 25 व 26 को, ₹ एम सी एल एफ बेव पोर्टल डाटा इंट्री प्रक्रिया ₹ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्बन्धित 84 अधिकारी/ कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। 25 से 31 ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एम एस एम ई अभिसरण अन्तर्गत सुगमकर्ता विकसित करने₹ विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्बन्धित 131 अधिकारियों/ कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है तथा दिनांक 25 से 30 मई की अवधि में, माडल संकुल स्तरीय अन्तर्गत प्री-विजनिंग ₹विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम से सम्बन्धित 25 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रासंगिक एवं उपयोगी विषयों द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता संवर्धन हेतु संस्थान द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

## बैठक : गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की लागत घटाने पर सरकार का फोकस

# खेती को बनाना है टिकाऊ और लाभकारी : सूर्य प्रताप शाही

- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा की गई कृषि एवं पशुधन विभाग की संयुक्त रणनीति बैठक
- प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, गोबर खाद, सीबीजी प्लांट और एफओएम उत्पादन पर किया गया मंथन

> **गोबर और गोमूत्र आधारित उत्पादों से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने की विशेषज्ञों ने रखी राय**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, गौसंवर्धन एवं किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लगातार ठोस और दूरदर्शी कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही तथा पशुधन मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को विधान भवन, लखनऊ स्थित समिति कक्ष-8 में गोबर खाद के प्रयोग, सी०बी०जी० (कंप्रेस्ड बायोगैस) प्लांटों के संचालन तथा एफ०ओ०एम० (फर्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर) उत्पादन की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की बेहतर रणनीति के लिए एक संयुक्त विभागीय बैठक की। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसे टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल एवं आर्थिक रूप से लाभकारी बनाना चाहती है।

### विभिन्न नवाचारों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया

बैठक में गौ-आधारित जैविक खेती, गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों, बायोचार, लिक्विड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर, बायोगैस एवं सीबीजी प्लांटों की कार्यप्रणाली तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के विभिन्न नवाचारों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न संस्थाओं एवं विशेषज्ञों द्वारा ऐसे मॉडल प्रस्तुत किए गए जिनके माध्यम से गोबर एवं गोमूत्र का वैज्ञानिक उपयोग कर मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, कार्बन कंटेंट में वृद्धि, रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी तथा किसानों की लागत घटाने की संभावनाएं व्यक्त की गईं। कई प्रस्तुतियों में यह भी बताया गया कि जैविक खाद एवं लिक्विड फर्टिलाइजर के उपयोग से मिट्टी में कार्बन स्तर को क्रमिक रूप से बढ़ाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने किसानों को रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया।

# जनता अगले चुनाव में भाजपा को 'सुखा' देगी : अखिलेश यादव

## बिजली संकट पर अखिलेश यादव का हमला

- पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- भाजपा सरकार ने बिजली विभाग को बर्बाद किया, उत्पादन बढ़ाने के बजाय सिर्फ जनता से वसूली की गई

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में फैली "महा विद्युत आपदा" के लिए पूरी तरह भाजपा सरकार जिम्मेदार है और आने वाले चुनाव में जनता भाजपा को "अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।"

अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि शुक्र है मुख्यमंत्री ने अब तक यह नहीं कहा कि प्रदेश के बिजली संकट के पीछे दिल्ली से भेजे गए किसी दूत की साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में बिजली मंत्री शामिल होते हैं या उन्हें बुलाया ही नहीं जाता। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अगर मंत्री बैठकों में आते हैं तो मुख्यमंत्री उनके "कंधे पर हाथ रखकर" एक तस्वीर पोस्ट कर दें, जिससे जनता को दोनों नेताओं की "आपसी गर्मी" से कुछ राहत मिल सके। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बिजली सब-स्टेशनों पर पीएसी तैनात करनी पड़ रही है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखकर जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब "करेंट" नहीं बचा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में बिजली विभाग को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। उनके मुताबिक सरकार ने न तो कोई नया बिजली कारखाना लगाया और न ही बिजली उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल बिजली मीटर बदलकर जनता से वसूली करने में लगी रही।

# कासगंज में दबंग ने साधु को पीट-पीटकर मार डाला

## कसूर सिर्फ इतना था- पानी के लिए हैंडपंप चलाने को कहा था

**तमसा संकेत, एजेंसी**

कासगंज। कासगंज में दबंग ने एक साधु की पीट-पीटकर हत्या कर दी। साधु का कुसूर बस इतना था कि पानी पीने के लिए उसने एक दबंग को हैंडपंप चलाने को कह दिया। इस पर वह भड़क गया और साधु को मारना-पीटना शुरू कर दिया।

हालांकि, लोगों ने उस समय साधु को बचा लिया। लेकिन, कुछ ही देर बाद आरोपी ने फिर से साधु को पकड़ लिया और लाठी से पीटकर अधमरा कर दिया। गंभीर हालत में गांव के लोगों ने साधु को अस्पताल पहुंचाया, जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार की यह वारदात जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर नगला पीपल गांव की है। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है।

35 वर्षीय साधु विपिन कुमार करीब 15 सालों से नगला पीपल और भरसोली गांव के अलग-अलग मंदिरों में रहकर सेवा करते थे। दिनभर वह मंदिरों में ही रहते थे। पूजा-पाठ करते थे। साधु की बहन की शादी नगला पीपल गांव में ही हुई है।

जीजा जयप्रकाश ने बताया- मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे से 2 बजे के बीच साधु विपिन गांव के मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे बैठे थे। वहीं पास में एक हैंडपंप है। प्यास लगने पर वह हैंडपंप के पास पहुंचे, वहां मौजूद भड़पुरा के कौशल कुमार से उन्होंने नल चलाने को कह दिया।

# मेरठ में पिता ने बेटी की गला दबाकर हत्या की

## गुपचुप किया अंतिम संस्कार, मामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट

**तमसा संकेत, एजेंसी**

मेरठ । मेरठ के पिता ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अपनी 17 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी। गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतका के मामा को इसका पता चला तो वह गांव पहुंच गए और विरोध कर दिया। मामा की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। मंगलवार देर रात हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिता ने बताया- बेटी मोबाइल चलाती थी और लड़कों से बात करती थी। इसलिए गला घोट कर हत्या कर दी।

वहीं इस मामले में पुलिस को एक ऑडियो भी मिला है। ऑडियो में बेटी अपनी मौसी से बोल रही है कि मामा से कह दो, वह मुझे आकर ले जाएंगे, वरना यह लोग मुझे मार देंगे। घटना भावनपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी की है। भावनपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी में कपिल भारद्वाज परिवार के साथ रहते हैं। साल 2009 में कपिल भारद्वाज की शादी हापुड़ निवासी प्रीति से हुई थी। शादी के बाद प्रीति ने एक बेटी खुशी उर्फ़ खुशबु और फिर एक बेटे राधे को जन्म दिया। वर्ष 2017 में प्रीति की मौत हो गई। इसके बाद कपिल ने 6 महीने बाद ही पिंकी नाम की महिला से दूसरी शादी कर ली। सोमवार रात बेटी खुशी की में मौत हो गई। कपिल भारद्वाज ने आनन फानन में बेटी का अंतिम संस्कार भी कर दिया।

# पर्यटन मंत्री ने लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

**तमसा संकेत, संवाददाता**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने आज देर शाम सीजीसीटी लखनऊ में निर्माणाधीन नौसेना सौर्य संग्राहालय (नौसेना सौर्य वाटिका) के लोकार्पण के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। इस संग्रहालय को 30 मई, 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी एवं भारत के रक्षा मंत्री मा0 श्री राजनाथ सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में लोकार्पण किया जायेगा। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि संग्रहालय का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का बारीकी से जानकारी प्राप्त की। पर्यटन मंत्री ने नौसेना शौर्य संग्रहालय स्थल जाकर विधिवत स्थलीय निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा नौसेना सौर्य वाटिका एक पार्क नहीं है बल्कि यह हमारी सेना के बहादुर सेनानियों को श्रद्धान्जलि देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह राजधानी वासियों के लिए राज्य सरकार का एक तोहफा है। आगन्तुक इस संग्रहालय को देखकर नौसेना के कर्तव्य एवं पराक्रम पर गर्व करेंगे। गोमती पोत लखनऊ की पहचान बनेगा साथ ही एक पर्यटन केन्द्र के रूप में दर्शकों को आकर्षित करेगा। उन्होंने संग्रहालय के लिए मा0 मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन के प्रति आभार जताया है।

उल्लेखनीय है कि इस नौसेना शौर्य वाटिका का निर्माण भारतीय नौसेना और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है।

# ईद को लेकर नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग तैयार

## मेरठ में कचरे के लिए मिलेंगे एक्स्ट्रा पॉलीबैग

**तमसा संकेत, एजेंसी**

मेरठ । मेरठ में ईद के त्यौहार को लेकर सभी विभागों द्वारा युद्ध स्तर पर अपनी तैयारियां पूरी की जा रही हैं, ताकि शहर में शांतिप्रिय तरीके से त्यौहार मनाया जा सके। इसी क्रम में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग अपने स्तर से सभी तैयारियां पूर्ण करने का दावा कर रहा है। नगर आयुक्त सौरव गंगवार ने बताया कि ईद पर सफाई व्यवस्था सुचारू रखने के लिए खास तौर पर मुस्लिम बाहुल्य वार्डों में सफाई गाड़ी के साथ-साथ एक्स्ट्रा पॉलीबैग भी दिए जाएंगे। जिसमें कुर्बानी या अन्य चीजों से जो गंदगी निकलेगी उसे उसमें भरकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचा जा सके ताकि सफाई व्यवस्था बरकरार रहे।

जो गाड़ियां वार्डों से कचरा ले जाकर डंपिंग ग्राउंड पर मिल जाती है उनके भी फेरे बढ़ाए गए हैं ताकि शहर में गंदगी को लेकर कोई परेशानी ना हो। उसके साथ-साथ अन्य ड्यूटी स्पेशल कर्मियों की भी लगाई गई है। साथ ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में कुछ नोडल भी नियुक्त किए गए हैं जो सफाई की व्यवस्था को देखेंगे। इसके साथ-साथ पानी की जो सप्लाई नगर निगम द्वारा की जाती है उसका भी समय बढ़ाया गया है ।आमतौर पर जो पानी 10:00 बजे तक सुबह रहता है वह ईद के दिन 11:00 बजे तक रहेगा ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो क्योंकि गर्मी का मौसम है ऐसे में पानी की भी आवश्यकता अधिक होगी।

# कार्यालय नगर पालिका परिषद, अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

पत्रांक-976/विज्ञापन/होर्डिंग/बैनर आदि नीलामी/2026-27 दिनांकः-26/05/2026

## नीलामी सूचना
## (विज्ञापन, होर्डिंग, बैनर आदि वर्ष 2026-27)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, अकबरपुर सीमात्तर्गत विज्ञापन, होर्डिंग, पोस्टर, परचा, पताका, विद्युत या इलेक्ट्रानिक युक्त/परिवर्तनशील पट, गुब्बारा, छतरी, वाल पेन्टिंग, सचल वाहन पर विज्ञापन की नीलामी वर्ष 2026-27 (दिनांक 01.06.2026 से 31.03.2027 तक के लिये) दिनांकः 02.06.2026 समय 12.00 बजे नगर पालिका परिषद, अकबरपुर कार्यालय स्थिति सभागार भवन में होगी, यदि किन्ही कारणों नीलामी उक्त तिथि को नही होती है तो पुनः नीलामी 05.06.2026 को 12.00 बजे होगी। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को नगर पालिका परिषद, अकरबपुर द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। इच्छुक व्यक्ति जो शर्तों को पूरा करते हैं, नीलामी में भाग ले सकते हैं।

## नीलामी की शर्ते

1. नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को दिनांक 02.06.2026 समय 03.00 बजे अपराह्न तक रु0-50,000.00 (पचास हजार रुपये) की धनराशि नगद / डिमाण्ड ड्राफ्ट जो अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, अकबरपुर के पक्ष में जमानत के रुप में देय होगा जमाकर अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।
2. सर्वाधिक बोली बोलने वाले को नीलामी के उपरान्त नीलामी धनराशि का 50 प्रतिशत धनराशि तुरन्त नगद / ड्राफ्ट जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद, अकबरपुर के पक्ष में देय हो जमा करना होगा। किसी भी दशा में चेक स्वीकार नही किया जायेगा।
3. नीलामी धनराशि के शेष 50 प्रतिशत धनराशि 30 दिन के अन्दर जमा करना होगा अन्यथा ठेका निरस्त कर दिया जायेगा और जमा धनराशि जब्त कर लिया जायेगा। पुनः नीलामी होने पर होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी पूर्व मे नीलामी लेने वाले व्यक्ति की होगी।
4. नीलामी स्वीकृत उपरान्त नीलामी राशि पर स्टाम्प अधिनियम के अनुसार स्टाम्प जमा कर अनुबन्ध करने की जिम्मेदारी नीलामी लेने वाले की होगी, साथ में दो जमानते भी देनी होगी।
5. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों को नीलामी बोली से पूर्व पालिका परिषद में अदेयता प्रमाण पत्र (No Dues) जमा करना अनिवार्य होगा।
6. पोस्टर बिंल तथा दुसरे प्रकार के विज्ञापनों एवं ग्लोसाईन बोर्ड/एल०ई०डी० स्क्रीन की फीस वसूली की नीलामी पालिका सीमान्तर्गत पालिका द्वारा चिन्हित स्थलों पर ही विज्ञापन पट लगाना होगा एवं बिजली के खम्बों व पालिका सीमा में प्रवेश द्वारा पर विज्ञापन नही लगाया जा सकता है। शासन/जिला प्रसाशन द्वारा यदि किसी साईट पर आपत्ति की जाती है तो उसे हटाना होगा। चिन्हित स्थलों के सम्बन्ध में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय का मुआयना किया जा सकता है।
7. ठेकेदार द्वारा लगायी गयी होर्डिंग की सूची प्रति माह विभाग को प्रस्तुत करना आवश्यक होगा व अवैध होर्डिंग हटाने की जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।
8. ठेकेदार अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति नगर पालिका परिषद द्वारा निर्धारित दरों से ही वसूली करेंगे तथा प्राप्ति रसीद तत्काल निर्गत की जायेगी।
9. ठेकेदार ठेके के सम्बन्ध में आय-व्यय का दैनिक विवरण रखेगा और नगर पालिका अधिकारियों के मांगने पर प्रस्तुत करेगा।
10. वसूली हेतु प्रयुक्त होने वाले रसीद बुकें ठेकेदार स्वयं छपवायेगा, रसीद पर धनराशि का स्पष्ट अंकन होना आवश्यक होगा।
11. नीलामी बोली को स्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, अकबरपुर में निहित होगा।
12. सर्वाधिक बोली बोलने वाले व्यक्ति के द्वारा शर्तानुसार धन न जमा करने पर नगर पालिका प्रशासन को यह अधिकार होगा कि सर्वाधिक बोली बोलने वाले की जमानत धनराशि जब्त कर पुनः नीलाम करायें अथवा अपनी व्यवस्था से वसूली सुनिश्चित कराये।
13. ठेके की धनराशि न जमा होने की स्थिति में ठेकेदार की जमानत धनराशि जब्त कर अवशेष धनराशि की वसूली भू-राजस्व की भांति की जायेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।
14. यदि नीलामी प्रक्रिया में उच्च बोली स्वीकृति के पश्चात बोलीदाता बोली का पैसा समय के अन्दर नही जमा करता है अथवा पालिका शर्तों का उल्लघंन करता है तो, उसका ठेका निरस्त कर द्वितीय/तृतीय बोलीदाता की बोली को स्वीकृत करने का अधिकारी अधिशाषी अधिकारी/अध्यक्ष में निहित होगा।

**अधिशाषी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद**
**अकबरपुर अम्बेडकरनगर**

**अध्यक्ष**
**नगर पालिका परिषद**
**अकबरपुर अम्बेडकरनगर**

## सबालेंका ने 16 महीने में रिकॉर्ड 30 मैच जीते ■ मेदवेदेव उलटफेर का शिकार

# फ्रेंच ओपन : कार एक्सीडेंट के बावजूद जीतीं कोको गॉफ

**मुकाबला**

**तमसा संकेत, एजेंसी**

पेरिस । फ्रेंच ओपन में खिताब बचाने उतरीं अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ मंगलवार को एक छोटे कार हादसे का शिकार हो गईं। हालांकि, उन्हें चोट नहीं आई और वे मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गईं।

22 साल की गॉफ ने बताया कि रोलां गैरों पहुंचने के दौरान उनकी कार पोल से टकरा गई और क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें टैक्सी से स्टेडियम पहुंचना पड़ा। गाफ ने अपने ही देश की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया। गॉफ के मुताबिक, दिन काफी घटनाओं से भरा रहा, जिससे उनका ध्यान मैच के दबाव से हट गया। कोको गॉफ पिछले साल फ्रेंच ओपन चैंपियन रही थीं। उन्होंने फाइनल में एरीना सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। विमेंस सिंगल्स के एक अन्य मैच में जापान की नाओमी ओसाका ने जर्मनी की लौरा सीजमंड को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया। अब उनका मुकाबला क्रोएशिया की डोना वेकिक से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एलीस टुबेलो को 6-3, 6-2 से हराया है। यूनान के स्टेफानोस सितसिपास अगले दौर में पहुंच गए। उनके प्रतिद्वंद्वी एलेक्जेंडर मुलर चोट के कारण मैच बीच में छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं, फ्रांस के 17 साल के मोइज कुआमे ने अनुभवी मारिन सिलिच को हराकर ग्रैंड स्लैम करियर की शानदार शुरुआत की। ATP टूर के अनुसार वे 2008 या उसके बाद जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जीत दर्ज की है।

■ ओसाका साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के तीसरे राउंड से हट गई थी। तब उन्होंने चोट पर ध्यान देने की बात कही थी।

> पुरुष एकल में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने दानिल मेदवेदेव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। वॉल्टन विश्व रैंकिंग में 97वें स्थान पर हैं और उन्हें टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था।

### सबालेंका ने जेसिका को हराया, 16 महीने में रिकॉर्ड 30वीं जीती

वर्ल्ड नंबर-1 एरीना सबालेंका ने पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो (वर्ल्ड नंबर-50) को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। पेरिस के कोर्ट फिलिप चैटरियर पर खेला गया यह मैच 75 मिनट तक चला। सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के बाद से विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा 30 ग्रैंड स्लैम मैच जीते हैं। उनसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड सिर्फ मेंस सिंगल्स कैटेगरी में यानिक सिनर (31) और कार्लोस अल्कारेज (31) के नाम है। जीत के बाद सबालेंका ने कहा- 'मैंने अपने नेट गेम में सुधार किया है। अब इस अंदाज में खेलने का आनंद ले रही हूं।'

# वर्ल्ड चैंपियन गुकेश नॉर्वे चेस के दूसरे दौर में हारे

**नई दिल्ली, एजेंसी**

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट मंगलवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मिलाजुला रहा। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा को राउंड-2 में मजबूत स्थिति में आने के बाद हार झेलनी पड़ी। जबकि, महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज की।

राउंड-2 के बाद अलीरेजा फिरोजा 6 अंक के साथ ओपन कैटेगरी के टॉप पर हैं, जबकि गुकेश और वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 4.5 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं।

डी गुकेश ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में लंबे समय तक दबाव बनाए रखा। 116 चालों तक चले मुकाबले में वे जीत के करीब दिखे, लेकिन मुकाबला ड्रॉ हो गया। इसके बाद निर्णायक गेम में वेस्ली सो ने उन्हें हरा दिया। मैच के बाद वेस्ली सो ने कहा कि गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा।

दूसरी ओर आर प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने हराया। शुरुआत में प्रज्ञानानंदा बेहतर स्थिति में थे, लेकिन फिरोजा ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने मात दी। फिरोजा टॉप पर हैं।

■ अमेरिका के वेस्ली ने हराया, कहा- गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा

# एशियाड में भारत के पहले गोल्ड मेडलिस्ट रणधीर नहीं रहे

### 5 ओलिंपिक गेम्स में निशानेबाजी की, ओसीए प्रेसिडेंट बनने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। एशियन गेम्स में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले शूटर रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे 79 साल के थे और लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।

पूर्व निशानेबाज रणधीर ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों से ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। उन्हें 2024 में 4 साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था।

रणधीर ने 1978 बैंकॉक एशियन गेम्स के ट्रैप शूटिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने 5 ओलिंपिक गेम्स और एक कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की ओर से हिस्सा लिया। उन्हें 1979 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

रणधीर के परिवार से कई सदस्यों ने भारत को रिप्रेजेंट किया है। उनके चाचा महाराजा यादविंद्र सिंह ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला। वे IOC के सदस्य थे। रणधीर के पिता भलिंद्र सिंह भी फर्स्ट क्लास क्रिकेटर और 1947 से 1992 तक IOC सदस्य थे।

**रणधीर अपने पीछे पत्नी विनीता और 3 बेटियां (महिमा, सुनैना और राजेश्वरी) छोड़ गए हैं। उनकी बेटी राजेश्वरी इंटरनेशनल लेवल पर ट्रैप शूटिंग करती हैं। राजेश्वरी ने 2022 एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था।**

## आईपीएल एलिमिनेटर में आज राजस्थान बनाम हैदराबाद, क्लासन टॉप स्कोरर बन सकते हैं

# सूर्यवंशी के पास गेल का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

**न्यू चंडीगढ़, एजेंसी**

IPL में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम मैच शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले को हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी के पास एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने बेंगलुरु की ओर से 2012 सीजन में 59 छक्के लगाए थे। वैभव इस सीजन 53 सिक्स लगा चुके हैं।

राजस्थान की टीम हैदराबाद को पिछले 6 मैच से नहीं हरा पाई है। टीम को पिछली जीत 2 अप्रैल 2023 को हैदराबाद में मिली थी। तब राजस्थान ने हैदराबाद को 72 रन से हराया था।

हैदराबाद ने 2024 सीजन में राजस्थान को क्वालिफायर-2 हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, टीम कोलकाता से फाइनल हार गई थी। राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने 25 अप्रैल 2026 को SRH के खिलाफ प्रफुल हिंगे के पहले ओवर में 4 छक्के लगाए थे। IPL इतिहास में पहली बार किसी बल्लेबाज ने पारी के पहले ओवर में 4 छक्के लगाए थे।

राजस्थान रॉयल्स जेम्स फॉकनर IPL में 2 बार 5 विकेट हॉल (पारी में 5 विकेट) हासिल करने वाले इकलौते गेंदबाज हैं।

### ओपनर्स तय करेंगे मैच का रुख

एलिमिनेटर मैच का नतीजा पावरप्ले में ओपनर्स के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। राजस्थान की ओर से ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा हैं, तो हैदराबाद की ओर वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी है। ये चारों ओपनर्स हैं, जो कि शुरुआती 6 ओवर में ही मैच की दिशा बदल सकते हैं। प्लेऑफ मुकाबले में असली दबाव भी इसी फेज में रहता है।

**वैभव सूर्यवंशी राजस्थान के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ इसी सीजन में शतक लगाया था। वे 14 मैच में 583 रन बना चुके हैं। इनमें 3 फिफ्टी शामिल हैं। वहीं, जोफ्रा आर्चर टॉप विकेट टेकर हैं। वे 14 मैच में 21 विकेट ले चुके हैं। आर्चर ने इस सीजन 8.76 की इकोनॉमी से रन दिए हैं।**

## मनोरंजन

# चुनरी चुनरी गाने के रीमेक पर भड़के अभिजीत भट्टाचार्या

### कहा- वरुण इस गाने से सलमान खान नहीं बन सकता

नई दिल्ली। वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से गाना चुनरी चुनरी रिलीज हो चुका है। ये गाना 1999 की फिल्म बीवी नं. 1 के गाने का रीमेक है, जिसे अभिजीत भट्टाचार्या और अनुराधा श्रीराम ने गाया था। अब अभिजीत नया गाना देख भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि सुनकर ये किसी भजन जैसा लग रहा है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वरुण इस गाने से कभी सलमान नहीं बन सकेंगे।

हाल ही में एएनआई से बातचीत में सिंगर अभिजीत भट्टाचार्या ने कहा है, 'जब मैंने ये गाना (चुनरी चुनरी रीमेक सॉन्ग) सुना तो मुझे लगा कि ये कोई भजन है। चुनरी चुनरी एक रोमांटिक ट्रेक था और इन लोगों ने अब इसे भजन बना दिया है।'आगे उन्होंने वरुण धवन की आलोचना करते हुए कहा, 'इस एक्टर (वरुण धवन) ने सिर्फ सेकेंड हैंड फिल्में की हैं। खासकर जब इसके पिता (डेविड धवन) ने ऑरिजिनल फिल्म बनाईं। उसने वही गाना इस्तेमाल किया, जो एक समय में हिट था। वरुण धवन इस गाने से सलमान खान नहीं बन सकता। सलमान खान और वरुण धवन में बहुद फर्क है।'

इसके अलावा अभिजीत ने कहा है, 'ये गाना सलमान खान के करियर का सबसे बड़ा हिट है। जब फिल्म आई है, तब से लेकर अब तक ट्रेंडिंग है। ये सलमान की लाइफ का सबसे बड़ा हिट है।

### कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा में 'बजरंगी भाईजान' जैसा इमोशन

मुंबई। कबीर खान अपनी नई फिल्म में फिर फैमिली-इमोशन और चाइल्ड-कनेक्ट वाले जॉनर में लौट रहे हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं और कहानी एक बच्चे व एक मैच्योर किरदार के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का टोन काफी हद तक सलमान खान स्टारर 'बजरंगी भाईजान' जैसी भावनात्मक अपील वाला रखा गया है। मेकर्स इसे भारी वीएफएक्स या बड़े सेट्स की बजाय कंटेंट-ड्रिवन फिल्म के तौर पर तैयार कर रहे हैं। फिल्म का बजट भी नियंत्रित रखा गया है। फिल्म का पहला बड़ा शेड्यूल मुंबई के मड आइलैंड में पूरा किया गया, जहां करीब 15 दिनों तक कश्मीर जैसा सेट तैयार किया गया था।

## बोलीं- हमारे पसंदीदा डांस फॉर्म को मार दिया, फिल्म 'चांद मेरा दिल' के डांस सीन पर विवाद

# अनन्या पांडे के भरतनाट्यम पर भड़कीं कांग्रेस प्रवक्ता

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की नई फिल्म 'चांद मेरा दिल' के एक डांस सीन को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। फिल्म में उनके भरतनाट्यम और कन्टेंपररी मिक्स (फ्यूजन) डांस सीक्वेंस की आलोचना हो रही है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद और क्लासिकल डांसर अनीता रत्नम सहित कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर नाराजगी जताई है।

शमा मोहम्मद ने कहा कि अनन्या ने उनके पसंदीदा डांस फॉर्म को खराब कर दिया है। वहीं, फिल्म की असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने अनन्या का बचाव करते हुए उनके काम की तारीफ की है। इस डांस सीन पर राजनीति और कला जगत से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अनन्या पांडे ने मेरे पसंदीदा डांस फॉर्म भरतनाट्यम को खत्म कर दिया है। बचपन से भरतनाट्यम सीख चुकीं शमा ने आगे लिखा कि इस शास्त्रीय नृत्य को सीखने में लंबा समय लगता है, इसे किसी के लिए तुरंत तैयार नहीं किया जा सकता।

### फिल्म रिलीज के बाद वायरल हुआ वीडियो

विवेक सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'चांद मेरा दिल' 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस कॉलेज रोमांस ड्रामा फिल्म में अनन्या पांडे के अपोजिट एक्टर लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म रिलीज होने के बाद से ही इसके एक डांस सीन की क्लिप एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही है।

इस सीन में अनन्या का किरदार भरतनाट्यम और आधुनिक डांस स्टेप्स का एक फ्यूजन परफॉर्म करता है। इसी परफॉर्मेंस को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स अनन्या पांडे को ट्रोल कर रहे हैं।

## सौतेली मां ने कोर्ट से संजय कपूर के ईपीएफ से पैसे निकालने की मांग की, नोटिस जारी

# दावा : करिश्मा के बच्चों की फीस भरने में दिक्कत

**नई दिल्ली, एजेंसी**

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद से ही उनके बच्चों और उनकी पत्नी प्रिया सचदेव के बीच प्रॉपर्टी और वसीयत पर कानूनी जंग जारी है। फैसला आने तक कोर्ट ने संजय कपूर की प्रॉपर्टी फ्रीज कर दी है। मामले की सुनवाई के समय करिश्मा कपूर के बच्चों ने दावा किया था कि उनके पास स्कूल-कॉलेज की फीस भरने तक के लिए पैसे नहीं हैं। इस पर अब संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर ने एक याचिका दायर कर पति के EPF अकाउंट से पैसे निकालने की इजाजत मांगी है। मामले में अब कोर्ट ने अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। प्रिया कपूर की याचिका की सुनवाई 26 मई को हुई, जिसमें 30 अप्रैल को कोऑर्डिनेट बेंच द्वारा संजय कपूर के सभी खातों को फ्रीज करने के आदेश पर आंशिक संशोधन की मांग हुई है। कोर्ट में सबमिट किए गए डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, प्रिया कपूर ने अंतरिम आदेश के अनुच्छेद 79 के खंड B और D में बदलाव करने का अनुरोध किया है। लाइव एंड लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रिया कपूर के वकील ने कोर्ट में साफ किया है कि EPF से निकाले गए पैसों का इस्तेमाल, सिर्फ करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए किया जाएगा। करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने कोर्ट में याचिका दायर कर पिता संजय कपूर की वसीयत और प्रॉपर्टी में हिस्सेदारी मांगी थी। तब प्रिया कपूर ने कोर्ट में एक वसीयत दिखाई, जिसमें कियान और समायरा के नाम कुछ भी खास नहीं लिखा गया था।

> संजय कपूर की मौत 12 जून 2025 को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। करिश्मा कपूर ने 2003 में संजय से शादी की थी। इससे उन्हें दो बच्चे कियान-समायरा हुए। शादी के 13 साल बाद करिश्मा-संजय ने आपसी सहमति से तलाक लिया था। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से तीसरी शादी की थी। करिश्मा से पहले उन्होंने नंदिता महतानी से पहली शादी की थी, लेकिन वो भी टूट गई।

### क्यों करिश्मा के बच्चों की फीस भरना चाहती हैं प्रिया

दरअसल, जब करिश्मा कपूर ने संजय कपूर से तलाक लिया था, तो बच्चों की पढ़ाई के खर्चे की जिम्मेदारी संजय कपूर ने लिखित ली थी। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी प्रिया ने उनके सारे अकाउंट्स पर हक जताया, जिसके बाद करिश्मा के बच्चों की जिम्मेदारी भी उन पर आई। वसीयत के लिए करिश्मा के बच्चों ने प्रिया के खिलाफ याचिका दायर की है, इसके बावजूद उनके खर्च की जिम्मेदारी प्रिया पर ही है। एक सुनवाई के दौरान करिश्मा की बेटी समायरा ने कोर्ट में कहा कि पिछले 2 महीनों से उनके कॉलेज की फीस नहीं भरी गई है। वो अमेरिका में पढ़ाई करती हैं। तब कोर्ट ने इस मामले पर दोनों पक्षों को फटकारा था। तब प्रिया के वकील ने कहा था कि वो बच्चों की फीस समय पर देंगे। लेकिन अकाउंट फ्रीज होने से अब उन्हें फीस चुकाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

# रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतरी इंडस्ट्री

### चंकी बोले- मुझे भी बैन किया, मैंने ये झेला

नई दिल्ली। फरहान अख्तर की डॉन 3 अचानक छोड़ देने से FWICE (फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्प्लॉय्ज) ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। जब तक मामला नहीं सुलझता, तब तक रणवीर के साथ फेडरेशन से जुड़े लोग काम नहीं कर सकेंगे। इस घोषणा के बाद इंडस्ट्री के कई लोग उनके सपोर्ट में उतरे हैं। चंकी पांडे ने बताया है कि एक समय वो भी इस बैन का शिकार हो चुके हैं। माफी मांगने के बाद उन पर लगा बैन हटाया गया था। वहीं दूसरी तरफ FWICE के चीफ एडवाइजर अशोक पंडित ने बैन पर सफाई दी है।

चंकी पांडे ने रणवीर सिंह के विवाद पर हाल ही में ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया है कि 1987 में फिल्म इंडस्ट्री की हड़ताल थी और शूटिंग करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन ठीक उसी समय उनकी फिल्म आग ही आग की शूटिंग ऊटी में हुई। इस बात से नाराज फेरडरेशन ने फिल्म में काम करने वाले हर शख्स को बैन कर दिया था। हालांकि तब धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा इतने बड़े स्टार थे, जिनके पास एक साथ 30-40 फिल्में थीं, ऐसे में उन्हें बैन करना मुश्किल था। चंकी पांडे जो नए आए थे और उनकी पहली फिल्म भी रिलीज नहीं हुई थी, उन्हें एक हफ्ते के लिए बैन कर दिया था। विवाद पर चंकी पांडे ने माफी मांगी, जिसके बाद उन्हें दोबारा काम करने की इजाजत मिली। बातचीत में चंकी पांडे ने कहा है, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी और नाजुक है। मैंने ये सब खुद झेला है।

# पाकिस्तान में 9 मुस्लिम जगहों के नाम नहीं बदलेंगे

**निर्णय**

## हिंदू-सिख दौर का नाम रखा जाना था, कट्टरपंथियों के विरोध के बाद फैसला बदला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मरियम नवाज सरकार ने लाहौर की सड़कों, चौकों और इलाकों के पुराने नाम बहाल करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। सरकार जिन नामों को बहाल करना चाहती थी, उनमें कई हिंदू और सिख दौर के नाम शामिल थे।

सरकार ने यह कदम कट्टरपंथी समूहों और सोशल मीडिया पर बढ़ते विरोध के बाद उठाया। कुछ लोगों ने इसे हिंदू और सिख पहचान वापस लाने की कोशिश बताते हुए, धार्मिक रंग दे दिया था।

लाहौर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (रिटायर्ड) मोहम्मद अली एजाज ने पाकिस्तानी अखबार डॉन से कहा कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

पाकिस्तान बनने के बाद कई इलाकों के नाम बदल दिए गए थे। इसके बावजूद लाहौर के पुराने हिंदू और ब्रिटिश दौर के नाम आज भी लोगों की यादों और रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होते हैं।

कराची के इतिहासकार याकूब खान बंगश ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि 1947 के बाद लाहौर में वैसा वैचारिक बदलाव नहीं हुआ जैसा कराची जैसे शहरों में देखने को मिला था। उनके मुताबिक लाहौर में आने वाले ज्यादातर शरणार्थी कामकाजी तबके से थे, जिन्होंने शहर की पुरानी सामाजिक पहचान के साथ खुद को जोड़ लिया। इसी वजह से शहर का पुराना इतिहास लोगों की याद में बना रहा।

**सरकारी बयान के मुताबिक, बैठक में मौजूद ज्यादातर लोगों ने माना कि लाहौर की ऐतिहासिक पहचान बहुमूल्य विरासत है और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जाना चाहिए। कई विशेषज्ञ पुराने नाम बहाल करने के पक्ष में थे।**

### नवाज शरीफ और मरियम नवाज की बैठक में मंजूर हुआ था प्रस्ताव

16 मार्च को लाहौर हेरिटेज एरियाज रिवाइवल (LHAR) की बैठक हुई थी। इसकी अध्यक्षता पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने की थी। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी इसमें शामिल थीं। इसी बैठक में लाहौर के कई पुराने प्री-पार्टिशन नाम बहाल करने का प्रस्ताव पास किया गया।

यह योजना लाहौर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को फिर से सामने लाने के लिए बनाई गई थी। बाद में मई में मरियम नवाज कैबिनेट ने भी इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी थी।

नवाज शरीफ का कहना था कि हमें यूरोप से सीख लेनी चाहिए। वे ऐतिहासिक नामों से छेड़छाड़ नहीं करते हैं। मरियम का कहना था कि लाहौर का इतिहास ही इसकी पहचान है। पुराने नाम और इमारतें इसका सबूत हैं। यह पूरा प्रोजेक्ट लाहौर अथॉरिटी फॉर हेरिटेज रिवाइवल (LAHR) के तहत चलाया जा रहा था। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, यह कई अरब पाकिस्तानी रुपए का प्रोजेक्ट है।

### किलाहौर के 9 जगहों के नाम बदले जाने थे

| वर्तमान नाम | मूल नाम |
|---|---|
| इस्लामपुरा | कृष्णनगर |
| सुन्नतनगर | संतनगर |
| मौलाना जफर चौक | लक्ष्मी चौक |
| बाबरी मस्जिद चौक | जैन मंदिर चौक |
| मुस्तफाबाद | धर्मपुरा |
| सर आगा खान चौक | डेविस रोड |
| अल्लामा इकबाल रोड | जेल रोड |
| फातिमा जिन्ना रोड | क्वींस रोड |
| बाग-ए-जिन्ना | लॉरेंस रोड |

### कट्टरपंथियों ने इसे धार्मिक मुद्दा बना दिया

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कट्टरपंथी तत्वों और सोशल मीडिया व्लॉगर्स ने इस फैसले पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज का खुलकर विरोध किया। उन्होंने सरकार पर हिंदू और सिख नाम वापस लाने का आरोप लगाया और इसे धार्मिक मुद्दा बना दिया।

PTI के मुताबिक, सरकार को डर था कि इस मुद्दे पर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा हो सकता है। इसी वजह से प्रशासन ने फिलहाल फैसला टाल दिया। विरोध के बाद LHAR ने इतिहासकारों, शहरी योजनाकारों, आर्किटेक्ट्स और दूसरे विशेषज्ञों की एक बैठक भी बुलाई। इसमें लाहौर की पुरानी पहचान और ऐतिहासिक नामों को बचाने पर चर्चा हुई।

**फास्ट न्यूज**

### ड्रग्स तस्करी में शामिल नाव पर अमेरिकी सेना का हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में नशीले पदार्थों की तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

दक्षिणी कमान ने कहा है कि उसने अमेरिकी तटरक्षक बल को सूचित किया है ताकि बचे लोगों की खोज और बचाव प्रणाली को सक्रिय किया जा सके।

### सरकारी हिस्सेदारी बिक्री की खबर से कोल इंडिया 5% गिरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार OFS के जरिए कोल इंडिया की 2% हिस्सेदारी बेच रही है। इस बिक्री में 1% शेयरों का बेस ऑफर और ओवरसब्सक्रिप्शन होने पर अतिरिक्त 1% हिस्सेदारी बिक्री शामिल है।

इस घोषणा के बाद आज 27 मई को इसके शेयर 5% गिरकर 428 रुपए पर आ गए। हालांकि अब इसमें थोड़ी रिकवरी आई है और ये वापस 446 पर पहुंच गया है।

सरकार ने इस बिक्री के लिए फ्लोर प्राइस 412 प्रति शेयर तय किया है, जो इसके पिछले क्लोजिंग प्राइस से करीब 11.2% कम है।

### ईरान की जेल में महीनों से बंद 10 भारतीय नाविक रिहा

नई दिल्ली। भारत का नौवहन महानिदेशालय ने मंगलवार देर रात बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए 10 भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया गया है। इन नाविकों को जुलाई 2025 में एक ऑयल टैंकर पर पकड़ा गया था। महानिदेशालय के अनुसार, एमवी हार्बर फीनिक्स नामक जहाज के चालक दल को ईरान के जास्क पोर्ट के पास जहाज रोके जाने के बाद हिरासत में लिया गया था।

## गर्लफ्रेंड को सैकड़ों पुरुषों से संबंध बनाने को किया मजबूर

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में 51 साल के पूर्व बैंक मैनेजर को गर्लफ्रेंड का 7 साल तक शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण करने के मामले में 25 साल जेल की सजा सुनाई गई। उस पर महिला को हिंसा और जबरन यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का आरोप था।

42 साल की पीड़ित लेटेसिया आर ने कोर्ट में कहा कि बैंककर्मी गिलौम बुची ने सेक्स गेम रिश्ते का बहाना बनाकर उन्हें धीरे-धीरे अपने कंट्रोल में लिया और फिर देह व्यापार में धकेल दिया।

वह उन्हें अपने दोस्तों, सहकर्मियों और अजनबियों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था और ग्राहकों की सूची भी बनवाता था। लेटेसिया ने कहा, "मैंने 487 पुरुषों के बाद गिनती करना बंद कर दिया था। इनमें कुछ लोग ऐसे थे जिनसे मुझे कई बार मिलना पड़ा।"

कोर्ट में चार घंटे से ज्यादा चली बहस के बाद फैसला सुनाया गया।

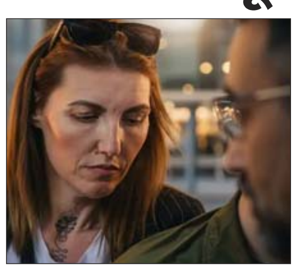

पीड़ित बोली- 487 लोगों के बाद गिनती छोड़ दी, दोषी को 25 साल की सजा

इसके बाद पीड़ित रो पड़ीं, जबकि आरोपी बिना किसी भाव के खड़ा रहा। लेटिसिया ने बताया कि यह सिलसिला 2015 में क्रिसमस के समय शुरू हुआ। तब बुची ने उसे हाईवे के पास एक सर्विस स्टेशन पर दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। उसे रेलवे स्टेशन और हाईवे के पास अजनबियों के साथ संबंध बनाने को मजबूर किया जाता था।

## ट्रम्प चाहते हैं कि दुनिया घुटने टेके, इस तानाशाही से दुनिया पीछे जा रही

# नेतन्याहू राष्ट्रवाद के सबसे बड़े दुश्मन : इजराइली इतिहासकार

तेल अवीव, एजेंसी

चर्चित इतिहासकार युवाल नोआ हरारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि इजराइल के इतिहास में नेतन्याहू से बड़ा इजराइली राष्ट्रवाद का दुश्मन कोई नहीं रहा। उन्होंने देश को अंदर से बांट दिया और लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प और उनके जैसे नेताओं की सोच यह है कि कमजोर हमेशा ताकतवर के सामने घुटने टेक दे, तभी शांति बनी रहेगी। यह अनैतिक और मूर्खतापूर्ण है क्योंकि इससे हर देश अपनी ऊर्जा सिर्फ हथियारों पर खर्च करेगा। हरारी ने कहा कि दुनिया ट्रम्पवाद और दक्षिणपंथी राजनीति की ओर तेजी से बढ़ रही है। इसकी राजनीति करने वालों का मानना है कि दुनिया एक दूसरी की मदद करने से नहीं बल्कि ताकत और दबदबे से चलती है। लेकिन यह सोच इंसानी सभ्यता और दुनिया को पीछे धकेल रही है।

हरारी के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रम्प सहयोग में विश्वास नहीं रखते, वे सिर्फ सैन्य ताकत से कमजोर देशों पर दबदबा बनाना चाहते है।

### हरारी बोले- ताकत ही सबकुछ होता तो हम आज भी शिकारी होते

हरारी का मानना है कि अगर केवल ताकत ही सब कुछ होती, तो इंसान आज भी छोटे-छोटे शिकारी समूहों में जी रहे होते। मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि इंसान लड़ सकता है, बल्कि यह है कि इंसान बड़ी संख्या में एक-दूसरे पर भरोसा कर सकता है।

उनके मुताबिक किसी देश को मजबूत बनाने के लिए, लोगों का एक जैसी सोच और पहचान से जुड़ा होना जरूरी है। कई बार इसके लिए सख्त सत्ता और मजबूत नेतृत्व की भी जरूरत पड़ती है। हरारी का कहना है कि राष्ट्रवाद मानव इतिहास की सबसे सफल और सकारात्मक कहानियों में से एक रहा है।

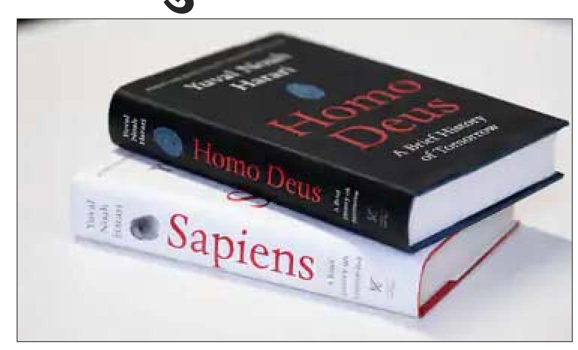


युवाल नोआ हरारी की मशहूर किताबें- सेपियंस और होमोडेयस।

### हरारी बोले- सहयोग से ही दुनिया की तरक्की हुई

युवाल नोआ हरारी ने कहा कि उनकी सबसे चर्चित किताबें, जैसे सेपियंस और होमोडेयस को ध्यान से देखें तो एक बड़े विचार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। सहयोग यानी कोऑपरेशन। हरारी ने कहा कि इंसानों की असली ताकत यही है कि वे बड़े पैमाने पर और लंबे समय तक मिलकर काम कर सकते हैं। यही वह चीज है जिसने इंसानों को कमजोर जीव से दुनिया की सबसे प्रभावशाली प्रजाति बना दिया। अकेला इंसान न तो शेर से लड़ सकता है और न भालू से, लेकिन करोड़ों लोग मिलकर समाज, देश, कानून, बाजार और तकनीक बना सकते हैं।

## 3 साल की बच्ची का 'मॉनिटर' ने रेप किया, केस की खुली सुनवाई शुरू

# फ्रांस में 100 से ज्यादा स्कूलों में चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस इस समय एक बड़े चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल से जूझ रहा है। पेरिस समेत 100 से ज्यादा स्कूलों और डे-केयर सेंटरों में बच्चों के साथ हिंसा, यौन शोषण और रेप के आरोपों की जांच चल रही है। मामले सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश बढ़ गया है।

पेरिस की प्रॉसिक्यूटर लॉर बेको ने बताया कि राजधानी में 84 प्रीस्कूल, करीब 20 प्राइमरी स्कूल और लगभग 10 डे-केयर सेंटरों में जांच चल रही है। कई मामलों में छोटे बच्चों के साथ रेप और यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप स्कूल मॉनिटर्स पर लगे हैं। ये वे कर्मचारी होते हैं जो बच्चों की देखभाल लंच ब्रेक, खेल, सोने के समय और आफ्टर-स्कूल गतिविधियों के दौरान करते हैं।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मंगलवार, 26 मई 2026 को #METooEcole (#MeTooSchool) आंदोलन से जुड़े लोग और समर्थक चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर के बाहर बच्चों के साथ यौन शोषण और हिंसा के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की। एक पोस्टर पर लिखा था- "मामले को दबने मत दो।"

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मंगलवार, 26 मई 2026 को #METooEcole (#MeTooSchool) आंदोलन से जुड़े लोग और समर्थक चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर के बाहर बच्चों के साथ यौन शोषण और हिंसा के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की। एक पोस्टर पर लिखा था- "मामले को दबने मत दो।"

कोर्ट के बाहर #MeTooSchool आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर पर लिखा- "कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न डरे।"

**फ्रांस में बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई आमतौर पर बंद कमरे में होती है, लेकिन इस बार पीड़ित परिवारों ने ट्रायल सार्वजनिक रखने की मांग की। परिवारों के वकीलों के मुताबिक वे गिसेल पेलिको के चर्चित रेप केस से प्रेरित थे। गिसेल ने कहा था कि "शर्म पीड़ितों नहीं, अपराधियों को होनी चाहिए।"**

### बच्चों को भूखा रखने और मारपीट के आरोप

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि कुछ मॉनिटर्स बच्चों पर चिल्लाते थे, बाल खींचते थे और खाना देने से मना कर देते थे। कुछ मामलों में बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे हैं। पीड़ित परिवारों के वकीलों का कहना है कि कई अभिभावकों को शिकायत दर्ज कराने और कार्रवाई करवाने के लिए महीनों संघर्ष करना पड़ा।

## एअर इंडिया हफ्ते में करीब 800 घरेलू फ्लाइट्स घटाएगी

### इंडिगो भी 7% उड़ानें कम करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एअर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5% से 7% की कटौती कर सकती है। एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है। इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22% तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है।

एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा। उड़ानों में कटौती की सबसे बड़ी वजह 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष है। इससे जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है।

इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की वजह से अंतराष्ट्रीय रूट लंबे हो गए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर पाबंदियों ने भी ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ा दी है।

इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल फेडरेशन (FIA) के मुताबिक अंतराष्ट्रीय और घरेलू सेक्टर में फ्यूल की कीमतों के भारी अंतर ने एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना दिया है।

## आपत्ति : कहा- दूसरे देश को टिप्पणी का हक नहीं, चीन ने इतिहास से जुड़ा विवाद बताया था

# भारत ने जम्मू-कश्मीर पर चीन पाक का बयान खारिज किया

**विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सीपीईसी के कुछ प्रोजेक्ट भारत के उस क्षेत्र से गुजरते हैं, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है। भारत किसी भी ऐसी कोशिश का विरोध करता है, जो पाकिस्तान के कब्जे को मजबूत या वैधता देने की कोशिश करे।**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के जिक्र को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। भारत ने चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) परियोजनाओं पर भी कड़ी आपत्ति जताई। यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान के जवाब में आया है। इसमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर के हालात की जानकारी दी।

इसके बाद चीन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर मुद्दा इतिहास से जुड़ा विवाद है और इसका समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर, UNSC प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के तहत शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी योजना है। इसकी शुरुआत 2013 में की गई थी। इसमें चीन के शिंजियांग प्रांत से

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस रिलीज जारी कर जम्मू-कश्मीर पर चीन पाकिस्तान के बयान को खारिज किया।

### भारत को सीपीईसी से एतराज

60 बिलियन डॉलर की लागत वाला CPEC पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौजूद ग्वादर पोर्ट और चीन के शिंजियांग को जोड़ेगा। सीपीईसी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके से भी गुजरता है, जिस पर भारत का दावा है।

भारत का मानना है कि CPEC के जरिए चीन विस्तारवाद की नीति पर चल रहा है और भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है।

### भारत ने चीन के सीपीईसी का विरोध भी किया

भारत ने चीन और पाकिस्तान के बीच कथित ट्रांस-बाउंड्री वाटर रिसोर्सेज कोऑपरेशन पर भी सवाल उठाए और कहा कि दोनों देशों के बीच कोई साझा सीमा नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि उसने 1963 के चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी। इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी का इलाका चीन को सौंप दिया था, जिस पर उसने 1948 में अवैध कब्जा किया था।

पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट तक 60 बिलियन डॉलर (करीब 5 लाख करोड़ रुपए) की लागत से आर्थिक गलियारा बनाया जा रहा है।

इसके जरिए चीन की अरब सागर तक पहुंच हो जाएगी। CPEC के तहत चीन सड़क, बंदरगाह, रेलवे और ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है।

# बायजूस के फाउंडर रविंद्रन को 6 महीने जेल की सजा

### सिंगापुर कोर्ट ने प्रॉपर्टी और पेपर छिपाने का दोषी पाया

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की पहली बड़ी एजुकेशन टेक कंपनी 'बायजूस' के मालिक बायजू रविंद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पाया कि रविंद्रन ने अपनी प्रॉपर्टी से जुड़े जरूरी कागजात छिपाए और अदालत के आदेशों को नहीं माना, जिसे 'कोर्ट की अवमानना' माना गया है। सिंगापुर कोर्ट के मुताबिक, रविंद्रन अप्रैल 2024 से लगातार अपनी संपत्तियों से जुड़ी जानकारी देने के आदेशों को नजरअंदाज कर रहे थे। जब उन्होंने बार-बार अदालत की बात नहीं मानी, तो कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया और जेल भेजने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने रविंद्रन को तुरंत अधिकारियों के सामने सरेंडर करने को कहा है।

सजा के साथ-साथ रविंद्रन पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 67 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्हें यह राशि कानूनी खर्च (लीगल कॉस्ट) के तौर पर देनी होगी।

इसके अलावा, रवींद्रन को 'बीआर इन्वेस्टको पीटीई' की कानूनी मिल्कियत साबित करने वाले दस्तावेज भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। यह एक कॉरपोरेट एंटिटी है, जिसके पास संबंधित कंपनी के शेयर्स हैं।

रवींद्रन के खिलाफ सिंगापुर की अदालत में यह मामला कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड 'कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी' (QIA) की एक सहायक कंपनी ने दर्ज कराया था।

**तमसा संकेत**
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

**सम्पादक : विद्यादेवी**

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96